जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 18 संख्याः 34 प्रभात चूरू, मंगलवार 2 जून, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी फ़र्ज़ी हस्ताक्षर के मामले में फंसे

उन पर यह आरोप टीएमसी के ही तीन विधायकों ने लगाया है और कई विधायक इन बागी विधायकों के पक्ष में एकजुट हो रहे हैं, साफ लग रहा है टीएमसी टूट रही है

- आरोप है कि उन्होंने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को, तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने के लिए जो लैटर भेजा था, उसमें कुछ विधायकों के फ़र्ज़ी हस्ताक्षर हैं।
- नव निर्वाचित विधायक ऋतव्रत बनर्जी, संदीपन साहा व अरुप रॉय ने कहा कि पत्र में उनके हस्ताक्षर नहीं है। ऋतव्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।
- इसी बीच पता चला है कि तृणमूल के तीस विधायकों ने दक्षिण कलकत्ता के होटल में गुप्त मीटिंग की थी। जबकि ममता बनर्जी ने नए विधायकों की जो मीटिंग बुलाई थी, उसमें मात्र 20 विधायक आए और 50 से ज्यादा ने ममता के आदेश की अवहेलना की।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। तृणमूल कांग्रेस टूटने के कगार पर है। पार्टी के दो नवनिर्वाचित विधायकों ने खुलासा किया है कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को जो पत्र लिखा था, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद का दावा किया गया था, उसमें फर्जी हस्ताक्षर पेश किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कई विधायक अब इन बागी विधायकों के साथ खड़े हो रहे हैं।

पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा में अपनी पार्टी के विधायक शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने का दावा पेश किया था। इसके लिए उन्होंने एक पत्र विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा था, जिसमें 30 से अधिक विधायकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था।

अभिषेक बनर्जी पर "आपराधिक साजिश, जालसाजी और धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी" के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने उन विधायकों के हस्ताक्षरों को प्रमाणित किया था, जिनके बारे में कहा गया था कि वे उपस्थित थे और उन्होंने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन बाद में उन कई विधायकों ने इस बात से इनकार कर दिया कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए उस पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

तथापि, अब तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की है कि विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में नए विधायकों के हस्ताक्षर फर्जी तरीके से लगाए गए थे। पार्टी में विद्रोह का माहौल है और कई विधायक दल, की औपचारिक बैठकों से दूरी बना रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ विधायक अरूप रॉय ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्लूटूथ से नकल कराने वाले को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 1 जून। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1, महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी भर्ती, 2022 में ब्लूटूथ के जरिए नकल कराने के मामले में नकल सरगना तुलछाराम कालेर को 15 दिन की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

- दो साल से जेल में बंद तुलछाराम ने बड़े भाई, जो वेंटिलेटर पर है, की सेवा के लिए जमानत मांगी थी।

अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि वह पिछले दो सालों से जेल में है। उसके बड़े भाई बीकानेर के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं और भाई की सेवा के लिए उसे 15 दिन की अंतरिम जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए मामले के विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी तुलछाराम के खिलाफ अजमेर, बीकानेर, सीकर और जयपुर के विभिन्न थानों में पेपर लीक, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के कुल 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे संगठित नकल गिरोह के मुख्य सूत्रधार को अंतरिम जमानत देना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं है। प्रार्थना पत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब भाजपा का फोकस राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत पाने पर है

18 जून को राज्यसभा की 27 सीटों का चुनाव होगा

- वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए के 148 सांसद हैं और सत्ता पक्ष को 27 सीटों में से 17-18 सीटें मिलने की उम्मीद है।
- हरेक राज्यसभा चुनाव की तरह इस बार भी क्रॉस वोटिंग का खतरा है, विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस काफी सतर्कता बरत रही है कि क्रॉस वोटिंग ना हो।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। राज्य विधानसभा के चुनावों के बाद राजनीतिक समीकरण बदल जाने के बीच, इस महीने के अंत में 27 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव अगली बड़ी चुनावी घटना होंगे। क्रॉस-वोटिंग की संभावनाओं के कारण इन चुनावों पर सभी की नज़रें टिकी रहेंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 18 जून को होने वाले चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार रात किया। बताया जाता है कि बैठक में अन्य मुद्दों के साथ राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को विश्वास है कि इस चुनाव के बाद राज्यसभा में उसकी संख्या 150 के पार पहुंच जाएगी और वह दो-तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगा। वर्तमान में उच्च सदन में एनडीए के 148 सांसद हैं और अनुमान है कि वह चुनाव में उपलब्ध 27 सीटों में से 17-18 सीटें जीत सकता है।

यह चुनाव ऐसे समय हो रहा है, जब कई प्रमुख नेताओं का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तथा केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू शामिल हैं।

राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय रहती है। इस बार राजनीतिक विश्लेषकों की निगाह विशेष रूप से मध्य प्रदेश पर रहेगी, जहां तीन सीटों के लिए चुनाव होना है। कांग्रेस के पास एक सीट जीतने लायक समर्थन तो है, लेकिन उसके पास केवल छह अतिरिक्त वोट हैं, जिससे क्रॉस-वोटिंग का खतरा बना हुआ है।

ऐसी स्थिति में कांग्रेस किसी वरिष्ठ नेता पर दांव लगा सकती है। लेकिन, दिग्विजय सिंह के राज्यसभा में लौटने से इनकार करने के बाद पार्टी को एक मजबूत उम्मीदवार तलाशना होगा।

मध्य प्रदेश में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है और जॉर्ज कुरियन को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

इस चुनाव का एक बड़ा निष्कर्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पुनर्निर्वाचन हो सकता है। कर्नाटक में पार्टी की संख्यात्मक स्थिति को देखते हुए कांग्रेस के तीन सीटें जीतने की संभावना है, जिनमें खड़गे की सीट भी शामिल होगी।

राजस्थान में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है, जबकि कांग्रेस को एक सीट मिलने की उम्मीद है। भाजपा की ओर से रवनीत सिंह बिट्टू को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है, जबकि कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा के नामों पर विचार कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सात नई बुलेट ट्रेन्स चलाने की तैयारी में है केन्द्र सरकार

सूत्रों ने बताया कि ज्यादा रैवेन्यु देने वाले क्षेत्रों में हाई स्पीड रेल लाइन बनाने का काम शुरु हो चुका है

- दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर में दिल्ली से आगरा के लिए और सूरत-नागपुर संभाग के दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर में हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जाएगी।
- दिल्ली-आगरा हाई स्पीड ट्रेन के लिए मथुरा में इतौली गाँव के पास स्टेशन बनाया जाएगा, इसके लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है।
- हैदराबाद की कंपनी आरवी एसोसिएट्स को 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनाने का काम सौंपा गया है, कंपनी ने इस पर काम शुरु कर दिया है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। सात हाई स्पीड रेल लाइनों के साथ-साथ नई दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर परियोजना को चरणबद्ध और क्रमिक तरीके से लागू किया जाएगा। जिन क्षेत्रों से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पहले विकसित किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक चरण में दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर के अंतर्गत दिल्ली-आगरा लाइन तथा प्रस्तावित दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) के सूरत-नागपुर खंड पर कार्य शुरू किया जाएगा।

पश्चिम एशिया के युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा संकट के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में आई मंदी के बावजूद, भारत सरकार इन ज्यादा लागत वाली परियोजनाओं को लागू करने के प्रति अपनी गंभीरता प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रही है। हैदराबाद स्थित अरवी एसोसिएट्स, जिसे 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है, हाल के सप्ताहों में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन (डीएफसीसी) के अधिकारियों के साथ बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल रही है। अधिकारियों के अनुसार, इन मीटिंगों में तकनीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट में 8 नए जज नियुक्त

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 जून। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, केन्द्र सरकार ने सोमवार को भारत के सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी,

- अब सुप्रीम कोर्ट में कुल 38 जज हो गए हैं।

जिससे देश की सर्वोच्च अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई (मुख्य न्यायाधीश के अलावा, 37 न्यायाधीश)।

नव नियुक्त न्यायाधीश हैं: न्यायमूर्ति शील नागू, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली, जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख उच्च

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओमान से पैक्ट ने भारत को होर्मुज़ का विकल्प दिया

ओमान की लोकेशन ऐसी है, जहाँ से सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाहों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है, भले ही होर्मुज़ स्ट्रेट अवरुद्ध हो

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च थिंक टैंक के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान भारत के लिए एक विश्वसनीय व्यापारिक व एनर्जी "गेटवे" बना रहेगा और खाड़ी में चल रहे वर्तमान संकट को देखते हुए इससे भारी लाभ होगा।
- गत वर्ष दिसम्बर में प्र.मंत्री मोदी ने मस्कट दौरे में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता एक जून से लागू हो गया है, जिसके तहत भारतीय निर्यात पर शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 जून। भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौता (सी. ई. पी. ए.), जिसके तहत भारत के कई श्रम-प्रधान निर्यात उत्पादों को शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) पर बाजार तक पहुंच मिलेगी, 1 जून से लागू हो गया है। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर पिछले वर्ष दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मस्कट यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

इस समझौते का सबसे बड़ा महत्व ओमान की भौगोलिक स्थिति में निहित है। होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान के नियंत्रण के कारण सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत आने वाले तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खाड़ी के अधिकांश देशों के विपरीत, ओमान का अधिकांश समुद्री तट इस होर्मुज़ स्ट्रेट के बाहर सीधे अरब सागर और ओमान की खाड़ी से जुड़ा हुआ है।

थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी. टी. आर. आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान की रणनीतिक स्थिति के कारण सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाह तब भी सुलभ बने रहते हैं जब स्ट्रेट से होने वाला यातायात बाधित हो जाता है।

श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, "इसी वजह से खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता के दौरान भी ओमान व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक भरोसेमंद द्वार बना रह सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा खाड़ी संकट ने इस लाभ को स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है।

भारत का प्रमुख खाड़ी देशों से आयात अप्रैल 2025 में लगभग 15 अरब डॉलर से घटकर अप्रैल 2026 में 9.8 अरब डॉलर रह गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 4.4 अरब डॉलर से घटकर 2.7 अरब डॉलर पर आ गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट-यूजी कम्प्यूटर आधारित नहीं होगी'

नई दिल्ली, 01 जून। सुप्रीम कोर्ट ने 2026 की नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड के माध्यम से आयोजित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

यह याचिका जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बंध में दायर याचिका पर फिलहाल सुनवाई से इन्कार किया।

की आंशिक कार्यदिवस वाली बेंच के समक्ष पेश की गई। कोर्ट ने मामले को अवकाश के बाद सूचीबद्ध किया है। जस्टिस नरसिम्हा ने टिप्पणी की, वे (एनटीए) परीक्षा को दोबारा आयोजित कर रहे हैं। उन पर कितना दबाव है। हम अवकाश के बाद इस पर चर्चा करेंगे।

'प्रक्रिया एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं'

हाईकोर्ट ने 7 साल से अटके 528 करोड़ रु. के आर्बिट्रेशन पर हैरानी और नाराज़गी जताई

- अदालत ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के इस विवाद को एक माह में निपटाने के आदेश दिए
- अदालत ने लंबी अवधि के बावजूद अवार्ड जारी नहीं करने और सुनवाई टालने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि "यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है।"
- उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामलों में नियमानुसार एक वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, हालांकि गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय भी मिलता है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स लि. और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के साथ चल रहे 528 करोड़ के भुगतान विवाद में फैसला दिया है कि अगले एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे। उल्लेखनीय है कि, इस प्रकरण में वर्ष 2019 से आर्बिट्रेशन लंबित हैं और दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की फीस के पेटे 13 करोड़ रुपए चुकाए हैं।

अदालत ने करीब 7 साल की लंबी अवधि बावजूद अवॉर्ड जारी नहीं किए जाने और अलग-अलग कारणों की वजह से सुनवाई टाले जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है। उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामले 1 वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, जिसका गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय मिलता है।

यह मामला रोचक और महत्वपूर्ण इसलिए हैं कि, आर्बिट्रेशन के नियम-कायदे इस उद्देश्य से बनाए थे कि अदालत के चक्कर काटे बिना ही दो पक्ष कानूनी व्यवस्था में अपना विवाद कम समय व उलझनों में सुलझा सके। आर्बिट्रेशन, कोर्ट के बाहर बड़ी कंपनियों और सरकारों के बीच उत्पन्न हुए विवादों को निपटाने का कारगर रास्ता इसलिए माना जाता था क्योंकि, बड़े भुगतानों के विवाद लंबे समय तक अदालतों में पैंडिंग रहने से कंपनियों और सरकार दोनों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

ज्ञात रहे कि एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने वर्ष 2009 में केन्द्र सरकार की पंचवर्षीय योजना के तहत राजस्थान में प्रोजेक्ट लिया था। इसके तहत उन्हें विद्युत छीजत 15 प्रतिशत घटाने, मीटरिंग, बिलिंग, कलेक्शन, जीआईएस, एनर्जी ऑडिट और नये विद्युत कनेक्शन देने जैसे कार्य करने थे। इसके साथ ही बिजली विभाग का स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचा तैयार करना था। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के 87 कस्बों और जिलों में चिन्हित 534 जगहों पर होना था। वर्ष 2019 में यह पूरा हो चुका, परंतु कंपनी का 528.20 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं हुआ। इस मामले में कंपनी के वकील का कहना है कि, उनके पास कार्य की पूर्णता का प्रमाण पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) है, यह भुगतान से जुड़ा हुआ मामला है, जो वर्ष 2019 से लंबित चल रहा है।

ऐसे में एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स का जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम्स के साथ विवाद शुरू हो गया। इसके बाद यह प्रकरण सितंबर 2019 में आर्बिट्रेशन में पहुंच गया था, लेकिन करीब 1 वर्ष बाद जुलाई-2020 में पहली बार आर्बिट्रेशन का कोरम सुनवाई के लिए गठित हुआ। परंतु कोविड महामारी के चलते लंबे-लंबे अंतराल के साथ मामले की सुनवाई नहीं हो पायी, जबकि इस मामले की पूरी सुनवाई फरवरी 2023 तक पूरी हो जानी थी। परंतु दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की अवधि अगस्त-2023 तक बढ़ाए जाने पर सहमति दी, लेकिन प्रकरण में लगातार हो रही देरी के बाद एचसीएल ने कमर्शियल कोर्ट में याचिका दायर की। जहां अदालत ने 17 सितंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए आर्बिट्रेशन के लिए 20 माह का अतिरिक्त समय (30 अप्रैल 2025 तक) दिया। इस आदेश में कमर्शियल कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई थी, जिसको चुनौती देते हुए एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। परंतु हाईकोर्ट ने इन विशेष शर्तों को हटाते हुए कमर्शियल कोर्ट द्वारा समयावधि बढ़ाने को जायज माना।

जब इस तय समयावधि में भी मामले का निपटारा नहीं हुआ तो एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स पुनः कमर्शियल कोर्ट पहुंचा, जिस पर अदालत ने पुनः समयावधि बढ़ाते हुए 30 सितंबर 2026 तक का वक्त दे दिया। अब इस प्रकरण में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुःख जताया

नई दिल्ली, 01 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि

- उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर की सुरीली आवाज व भावपूर्ण गायन ने देश की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया।

उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने भारत की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया और अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

परीक्षाएं चार, छात्रों पर अत्याचार

आज यह संपादकीय, मैं, दुख और आक्रोश के मिश्रित भाव से लिख रहा हूं। गत एक माह से भारत के छात्रों के साथ जिस प्रकार का संवेदनहीन व्यवहार, भारत सरकार का रहा है, वह अक्षम्य है। मई माह में कुल चार परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें कुल 1.12 करोड़ छात्रों ने परीक्षा दी। प्रत्येक परीक्षा ने परीक्षार्थियों को उलझन, असमंजस और परेशानी के अलावा कुछ नहीं दिया।

3 मई, 2026 को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए NEET, एन टी ए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की गई। इसमें 23 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। उल्लेखनीय है कि NEET की तैयारी और कोचिंग पर छात्र दो तीन साल मेहनत करते हैं और लगभग एक दो लाख रुपए खर्च भी करते हैं। इस परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने की बात सामने आने पर एन टी ए ने 12 मई को इस परीक्षा को निरस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि 2024 में भी इसी परीक्षा का पेपर लीक हुआ, किंतु सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार कुछ ही केंद्रों पर परीक्षा दुबारा ली गई। इसके बावजूद एन टी ए के अध्यक्ष पी के जोशी को हटाया तक नहीं गया। बार-बार पेपर लीक होना केवल शिक्षा मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्री की अक्षमता को ही उजागर कर रहा है।

अब तो खबर यहां तक आ रही है कि NEET कराने का काम स्वयं प्रधानमंत्री की देख-रेख में होगा। इसके लिए सेना के हवाई जहाजों का भी उपयोग किया जाएगा। क्या यह विडंबना नहीं है कि शिक्षा मंत्रालय के लवाजमे पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी परीक्षाएं कराने का काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। यदि वास्तव में यह स्थिति आ गई है तो फिर शिक्षा मंत्री के अपने पद पर रहने का क्या औचित्य है? उनका इस्तीफा अब तक क्यों नहीं लिया गया? क्यों नहीं एनटी ए के अध्यक्ष को अभी तक बर्खास्त किया गया? शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस घटना के कई दिन बाद अपनी गलती मानी किंतु त्यागपत्र फिर भी नहीं दिया। नीट की परीक्षा की नई तारीख 21 जून 2026 को रखी गई है, किंतु सभी विद्यार्थी इसी आशंका में मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं कि अगली परीक्षा में पेपर लीक नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी है? इस प्रकार की मन:स्थिति में कोई भी छात्र, किस प्रकार से अपनी तैयारी करके अपनी श्रेष्ठतम प्रतिभा का प्रदर्शन परीक्षा के दौरान कर पाएगा? आश्चर्य की बात यह है कि संसदीय समिति के सम्मुख उपस्थित एन टी ए और शिक्षा विभाग के अधिकारी ने पेपर लीक होने से ही इनकार कर दिया।

इसी प्रकार, सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के मूल्यांकन में अनेक प्रकार की धांधलियों की बात सामने आ रही है। पहली बार, सीबीएसई ने OSM अर्थात ऑन स्क्रीन मार्किंग की व्यवस्था को लागू किया। इसके फलस्वरुप अनेक विद्यार्थियों की कॉपियां अच्छी तरह स्कैन नहीं हुईं और परीक्षकों का उपयुक्त प्रशिक्षण नहीं होने के कारण मूल्यांकन भी सही तरह नहीं हो पाया। स्कैन्ड कॉपियों से यह भी पता लगा कि मुख्य पृष्ठ किसी एक बच्चे का था तो अंदर की सारी कॉपी किसी दूसरे बच्चे की थी। कई बच्चों की कॉपी में कई प्रश्न जंचने से रह गए। यहां यह उल्लेखनीय है कि जिस कंपनी को OSM का काम दिया गया, उसे तेलंगाना सरकार द्वारा बहुत पहले ही ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था। न केवल यह, सीबीएसई ने स्वयं भी 2017-18 में प्रायोगिक तौर पर इसे लागू किया था किंतु इसकी असफलता को देखते हुए एवं इसकी कठिनाइयों को देखते हुए इसे बाद में लागू नहीं किया।

12वीं का परिणाम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस पर यह निर्भर करता है कि उसे किस पाठ्यक्रम में एवं किस कॉलेज में प्रवेश मिल पाएगा? कई विद्यार्थी ऐसे भी होंगे जिन्होंने आईआईटी और नीट की परीक्षा दी है और संभवताया उसमें उत्तीर्ण भी हो जाएं, किंतु यदि सीबीएसई की अक्षमता के कारण उनके 75 प्रतिशत से कम अंक आए हैं, तो वे इनमें प्रवेश पाने से वंचित रह जाएंगे। इस बारे में सरकार का क्या निर्णय रहेगा, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि प्रधानमंत्री जो बच्चों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई बार 'मन की बात' में संबोधित करते रहे हैं, वे विद्यार्थियों को इस संकट के समय में, सांत्वना देने एवं उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए अभी तक संबोधित करने के लिए समय नहीं निकाल पाए हैं।

इन सभी व्यवस्थाओं का मुख्य कारण जवाबदेही का नितांत अभाव है। ब्लैकलिस्टेड कंपनी को इतना महत्वपूर्ण गोपनीय काम दिया जाना, भ्रष्टाचार की आशंका को बल देता है। 12वीं की परीक्षा कोपियों के लगभग 40 करोड़ पृष्ठों का स्कैनिंग किया गया था। इस के लिए करोड़ों रुपए कंपनी को दिए गए होंगे। पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि संघ लोक सेवा आयोग अर्थात् यूपीएससी का अपना स्वयं का प्रिंटिंग प्रेस है और वहां सारा गोपनीय काम, उसके स्थाई कर्मचारी करते हैं। इसी कारण वहां पर किसी प्रकार के पेपर लीक की घटनाएं अभी तक सामने नहीं आई हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान यूपीएससी से सीख लेने हेतु एनटीए को नसीहत दी है, किंतु यह सब तब उपयोगी है जब किसी के मन में लेशमात्र भी संवेदनशीलता बची हो। अब तो लोग एन टी ए को "नेशनल टॉर्चर एजेंसी" और "नेवर ट्रस्ट एजेंसी" तक कहने लगे हैं।

मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।

SSC (GD) परीक्षा जो कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयोजित होती है, में 52 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इनमें से कई, जब केंद्र पर परीक्षा देने गए तो उत्तर प्रदेश के कई केंद्रों पर यह पता चला कि केंद्र पर जितने लोगों के बैठने की व्यवस्था है, उससे कहीं अधिक लोगों को उस केंद्र के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि उन केंद्रों पर हुड़दंग मच गया और परीक्षा निरस्त करनी पड़ी। अब शायद किसी अन्य तिथि को वहां पर परीक्षा होगी। एक ही भर्ती के लिए यदि अलग-अलग तरह के पेपर के आधार पर परीक्षा आयोजित होगी तो उनकी तुलनात्मक योग्यता सूची कैसे तैयार होगी यह स्पष्ट नहीं है। एक ओर जहां हम तकनीकी के क्षेत्र में बहुत प्रगतिशील होने का दावा करते हैं और स्वयं को विश्व गुरु कहलाते हुए नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर यदि परीक्षा केंद्रों का आवंटन और परीक्षाओं के साधारण संचालन का काम भी ढंग से नहीं कर पाते हैं, तो फिर ये दावे खोखले प्रतीत होते हैं। इतने लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार को इस पर विचार करना चाहिए कि वह केवल युवाओं के भविष्य के साथ ही नहीं अपितु देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। इसके बावजूद भी यदि युवा आक्रोशित होकर सड़कों पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं करते हैं, तो इसे सरकार को अपने खुशकिस्मती माननी चाहिए।

मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।

जैसा कि मैंने इसी विषय पर एक संपादकीय में लिखा था कि नीट की परीक्षा से जुड़े कोचिंग संस्थानों की कमाई हजारों करोड़ रुपए की होती है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे किसी को भी खरीदा जा सकता है।

वास्तव में पेपर लीक का कार्य एनटीए के अंदर के लोगों द्वारा ही कराया जाता है। इसे किस प्रकार रोका जाएगा, इसकी कोई बात नहीं की जा रही है। यदि विमान से पेपर भेजने की व्यवस्था की जाएगी तो ऐसा कितनी परीक्षाओं में किया जाना संभव होगा? वैसे भी पेपर लीक, परिवहन में नहीं अपितु एन टी ए के अंदर से होते हैं।

इस प्रकार की सड़ी गली, भ्रष्ट व्यवस्था से जो डॉक्टर बनेंगे, वे किस प्रकार से मरीजों का इलाज करेंगे और कैसे उन्हें लूटने का काम करेंगे, इसके कुछ नमूने तो हम आजकल भी देख रहे हैं। गलत तरीके अपनाकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाले छात्रों का प्रवेश निरस्त क्यों नहीं किया जाता है?

सरकार अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय अपनी व्यवस्थाओं को अच्छा बताने की दृष्टि से लगातार विद्यालयों के प्राचार्यों से रटे-रटाए बयान के वीडियो रील कर बनवा कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करवा रही है। ऐसा करके सरकार, छात्रों के घावों पर नमक छिड़कने का ही काम रही है।

देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु एनटीए द्वारा ही सी यू ई टी (कंबाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) का आयोजन 30 मई को किया गया था, जिसमें लगभग 15 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए अपने आप को पंजीकृत कराया था। इस परीक्षा मको डिजिटल सिस्टम से कराना तय किया गया था। कई सेंटरों पर सर्वर डाउन होने के कारण 7:00 बजे के शिफ्ट वाले बच्चों को 12:00 बजे तक बिठाये रखा गया और बिना परीक्षा के भेज दिया गया। बाद में एन टी ए के द्वारा उनके पास संदेश भेजा गया कि उनकी परीक्षा उसी दिन होगी। कई बच्चों को केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। बच्चे इधर-उधर भटकते रहे, कभी सर्वर डाउन होने के नाम पर, कभी तकनीकी खराबी आने के नाम पर। कोई स्पष्ट उत्तर देने वाला जिम्मेदार व्यक्ति सेंटर पर उपलब्ध नहीं था।

युवाओं में पनप रहे इसी क्षोभ और आक्रोश की परिणति, कॉकरोच जनता पार्टी नाम के आंदोलन के रूप में हुई, जिससे एक सप्ताह में ही ढाई करोड़ लोग जुड़ गए थे। लगता है, सरकार ने अभी तक भी युवाओं के आक्रोश को सही तरह भांपने का प्रयास नहीं किया है और केवल रक्षात्मक मुद्रा अपनाने में और अपनी स्वयं की पीठ थपथपाने में ही लगी रही है। यह स्थिति अधिक समय तक चलना न सरकार के हित में है, न छात्रों के और न ही देश के हित में है। सरकार को तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझ कर उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने चाहिएं।

संक्षेप में, हम गत एक माह की घटनाओं के बारे में फिलहाल यही कह सकते हैं "परीक्षा चार, छात्रों पर अत्याचार"।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

"वसुधैव कुटुंबकम् को चरितार्थ करने का समय आ गया है : चमत्कार नहीं, कर्म से होगा उद्धार"

मदन सिंह काला

–महोपनिषद का महान श्लोक: "अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।" – अर्थात् यह मेरा है, यह पराया है, ऐसी सोच छोटे मन वालों की है। उदार चरित्र वालों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है।–

सब मनुष्यों की एक ही जाति है और वह है 'मानव'। 600 साल पहले संत कबीर ने सिकंदर लोदी के राजतंत्र जैसे शासन काल में इस सत्य को उजागर करते हुए महोपनिषद के वसुधैव कुटुंबकम को सरल भाषा में समझाया। उस समय मुसलमान और ब्राह्मण अपने-आपको ही धर्म-जाति के अहंकार में खुद को महान समझते थे। उन्हीं के विवेक को जगाने के लिए कबीर ने आमजन की भाषा में ये दोहे कहे:

–"एक बूंद एक मलमूत्र, एक चाम एक गुदा। एक जोत से सब उत्पन्ना, को बामन को सूदा।।" अर्थात सब इंसान एक ही तरह की बूंद (वीर्य) से पैदा होते हैं, सबका मल-मूत्र एक-सा है, सबकी चमड़ी-शरीर की बनावट एक-सी है, सबमें प्राण-ज्योति भी एक ही है। फिर यह ब्राह्मण कौन और शूद्र कौन? आज तो अंतर्जातीय, अंतर्देशीय और अंतरधार्मिक विवाह हो रहे हैं। उनसे बच्चे भी पैदा हो रहे हैं – यह प्रकृति की ओर से सबसे बड़ा प्रमाण है कि मनुष्य की जाति एक ही है।

–"जो तूं बाम्हन बाम्हनी जाया, तो आन बाट काहे नहीं आया। जो तूं तुरूक तुरकनी जाया, तो भीतर खतना क्यों न कराया।।" अर्थात पैदा होते समय न कोई जनेऊ पहनकर आता है, न खतना कराकर। जाति-धर्म सब बाद में लादे गए लेबल हैं। असली पहचान तो सिर्फ 'इंसान' है।

कबीर का यह विज्ञान 600 साल पहले का है, और आज का DNA विज्ञान भी यही कहता है – दुनिया के किसी भी कोने का इंसान, किसी भी धर्म का इंसान, 99.9 जीन एक जैसे हैं। खून का रंग सबका लाल है। इसलिए लड़ाई 'हिंदू-मुस्लिम' की नहीं, 'इंसान बनाम अज्ञान' की है। संत कबीर द्वारा उजागर की गई इस सच्चाई को भारत के संविधान में भी समाहित किया जा चुका है।

आज 2026 में इस धरती पर लगभग 8.2 अरब इंसान साँस ले रहे हैं। रंग, भाषा, देश अलग हैं, पर भूख, दर्द, मृत्यु का डर और सुख की चाह सबकी एक है। मनुष्य ने 4300 से अधिक धर्म, पंथ, सम्प्रदाय रचे। सवाल यह नहीं कि धर्म कितने हैं, सवाल यह है कि धर्म का इस्तेमाल कौन, कैसे कर रहा है। जब धर्म मंदिर-मस्जिद-चर्च में रहता है तो वह प्रार्थना है, करुणा है। पर जब वही धर्म संसद, चुनावी मंच और टीवी डिबेट में पहुँचता है तो वह वोट-बैंक, दंगा और भेदभाव बन जाता है। धर्म की राजनीति से जनता को आज तक न रोटी मिली, न दवा, न स्कूल। मिला तो सिर्फ पड़ोसी से नफरत का स्थायी लाइसेंस। इसलिए पहला संकल्प यह हो कि धर्म को घर और दिल तक सीमित रखो, उसे गली और सरकार तक मत ले जाओ।

दुनिया बदल चुकी है। आज हर हाथ में विज्ञान है – मोबाइल, दवाई, बिजली, इंटरनेट। फिर भी अप्रमाणिक मान्यताएँ क्यों नहीं छूटतीं? क्योंकि हमें विज्ञान क्यों बताता है, कैसे नहीं। वसुधैव कुटुंबकम संप्रदाय, जातिविहीन तथा चमत्कार नहीं, कर्म से उद्धार वाली सोच का समाज बनाने की बात कहता है। डॉक्टर बता देगा कि कैंसर कैसे हुआ, पर 'मुझे ही क्यों' का जवाब मरीज गीता, कुरान, बाइबिल में खोजता है। घ्ण्ळ के बाहर खड़ा पिता विज्ञान पर भरोसा करता है, पर साथ में हनुमान चालीसा भी पढ़ता है। यह पाखंड नहीं, मानवीय लाचारी है।

वर्तमान विश्व राजनीति भी यही सबक दे रही है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहा तनाव भी यही संदेश दे रहा है कि 21वीं सदी में वही देश निर्णायक शक्ति बने हैं जिन्होंने वैज्ञानिक सोच, तकनीक, शिक्षा और आर्थिक सम्पन्नता को नंबर-1 पर रखा। इजरायल का आयरन डोम किसी चमत्कार की देन नहीं, दशकों की रिसर्च का परिणाम है। अमेरिका की शक्ति उसकी प्रयोगशालाओं, सेमीकंडक्टर, AI से आती है। दूसरी ओर, जहाँ शासन का आधार सिर्फ अंधविश्वास और 'ऊपरवाला देख लेगा' वाली सोच है, वहाँ गरीबी और युद्ध ही मिलते हैं। चमत्कार से मिसाइल नहीं रुकती, सैटेलाइट नहीं बनता। सम्मान तर्क, तकनीक और उत्पादन से मिलता है, भाषणों और ताबीज से नहीं। इसलिए हर समाज को चुनना होगा – बच्चों के हाथ में किताब देंगे या सिर्फ माला?

–200 साल पहले दुनिया और भारत :- विज्ञान के बिना इंसान की असली हालत–

आज से ठीक 200 साल पहले, 1820 में दुनिया की आबादी सिर्फ 100 करोड़ थी। आज 820 करोड़ हैं। उस समय भारत और चीन में 50-60 करोड़ लोग थे, पर सुखी नहीं थे।

1757 प्लासी के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को कच्चे माल का सप्लायर बना दिया। दादाभाई नौरोजी के अनुसार हर साल भारत की कुल कमाई का 6-8 प्रतिशत हिस्सा 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' के रूप में इंग्लैंड चला जाता था। 1800 में दुनिया के कुल औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत था, 1900 आते-आते 2 प्रतिशत रह गया। ढाका की मलमल, मुर्शिदाबाद की रेशम बर्बाद कर दी गईं। लगान 50 प्रतिशत तक था। 1820 में साक्षरता 3-5 प्रतिशत थी। लड़कियों की शिक्षा 0.1 प्रतिशत से भी कम। 1 लाख आबादी पर 1 डॉक्टर नहीं था। सती प्रथा, बाल-विवाह, छुआछूत – विज्ञान के अभाव में धर्म की आड़ में सब चलता था। औसत आयु 24 साल। 1000 में से 250 बच्चे 1 साल के अंदर मर जाते थे।

तब रोटी, कपड़ा, मकान तीनों का अकाल था:–

–1. भोजन यानी रोटी:- खेती 100 प्रतिशत मानसून के भरोसे थी। न नहर, न ट्यूबवेल, न यूरिया। 1 बीघा में आज जितना गेहूँ होता है, उसका 1/4 भी नहीं होता था। नतीजा – हर 5-7 साल में बड़ा अकाल। 1770 का बंगाल अकाल, 1837 का आगरा अकाल, 1866 का उड़ीसा अकाल – हर बार 10-30 लाख लोग भूख से मरे।

–2. वस्त्र यानी कपड़ा:- कपड़ा सिर्फ हथकरघा से बनता था। 1 धोती बुनने में 15 दिन लगते थे। 1854 में पहली कपड़ा मिल लगी। तब तक आम आदमी के पास 2 जोड़ी कपड़े ही होते थे।

–3. आवास यानी मकान:- 95 प्रतिशत जनता कच्चे घरों में रहती थी। पक्के मकान सिर्फ राजा, सेठ-साहूकार के थे। हैजा, प्लेग से पूरा गाँव साफ हो जाता था।

200 साल पहले भारत 'सोने की चिड़िया' सिर्फ किताबों में था। असली भारत भूखा, नंगा, बीमार, अनपढ़ और गुलाम था। आज 8-लेन हाईवे, AI, मंगलयान, IIT, AIIMS है – यह मन्नत से नहीं, 200 साल की वैज्ञानिक सोच का परिणाम है।

इस वैज्ञानिक युग का सबसे बड़ा विरोधाभास धार्मिक स्थलों पर दिखता है। मंदिर, मस्जिद, दरगाह में CCTV, AC ऑनलाइन दान, फायर-सेफ्टी है, पर भगदड़ में श्रद्धालु मरते हैं। जोधपुर चामुंडा मंदिर में 2008 में 224 लोग कुचल कर मरे। वैष्णो देवी, सबरीमाला, कुंभ, हज में यही होता है। बचाने ऄंइ, डॉक्टर, पुलिस आते हैं – यानी विज्ञान और व्यवस्था से लैस इंसान। इसलिए आस्था के नाम पर भीड़-प्रबंधन और जवाबदेही तय हो।

Pew Research बताता है कि आज 1.2 अरब लोग 'Nones' हैं – नास्तिक या 'कोई धर्म नहीं'। चीन में 52 प्रतिशत, यूरोप में 30-40 प्रतिशत लोग बिना धर्म के सुख-शांति से जी रहे हैं। स्कैंडिनेविया के 'नास्तिक देश' सबसे कम भ्रष्ट, सबसे ज्यादा खुशहाल हैं। नैतिकता के लिए डर नहीं, विवेक चाहिए। 2050 तक धार्मिक लोग 87 प्रतिशत रह जांएगे, पर Nones भी 1.4 अरब हो जाएँगे। धर्म मिटेगा नहीं, रूप बदलेगा।

अब समस्या यह है कि अगले 20 सालों में यह संसार एक मानव समाज में बदल जाए के लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जावे? इस हेतु हमें बच्चों को उनके मूल स्वरूप मानव के रूप में विकसित होने का वातावरण दिया जावे तभी महोपनिषद का यह उद्घोष चरितार्थ होगा – "वसुधैव कुटुम्बकम्" अर्थात पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है–। चार सूत्र हैं: 1. शिक्षा – न्यूटन भी पढ़ाओ, कबीर भी। 2. धर्म निजी रखो। 3. पेट की गारंटी – भूखा बाबा के पास जाएगा ही। 4. अंबेडकर का रास्ता – शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।

घर सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। शिशु को जन्म से ही सत्य, करुणा, तर्क, श्रम का सम्मान मिले। बच्चे के सामने जाति-धर्म की बात न हो। जो बीज घर में बोया जाएगा, वही समाज में पेड़ बनेगा।

कोरोना ने दिखाया कि अंतिम समय में न अवतार आया, न पैगंबर। डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी आए। वही असली हनुमान-दुर्गा थे। 'मानव धर्म के उद्धार' का मतलब है – आदमी को आदमी से जोड़ना। बुद्ध ने कहा: –अप्प दीपो भव– – अपना दीपक खुद बनो। भगत सिंह ने कहा: –इंसान को इंसान से मिलने दो–। कबीर का दोहा याद रखें: –"पानी केरा बुदबुदा, यह मानुष की जात। एक दिन छिप जाएंगे, ज्यों तारे प्रभात।।"– जीवन क्षणभंगुर है। नफरत में समय बर्बाद मत करो।

अत: कृतसंकल्प हो जाओ कि बच्चों को हिंदू-मुस्लिम बाद में, पहले इंसान बनाएँगे। सवामणी की जगह स्कूल, चढ़ावे की जगह अस्पताल माँगेंगे। जब तक आखिरी इंसान भूखा है, कोई ईश्वर खुश नहीं हो सकता।

मानव ही धर्म है। कर्म ही पूजा है। विज्ञान ही साधन है। करुणा ही मंजिल है।

इसी को 'मानव धर्म' कहते हैं। इसी के उद्धार के लिए हम सब कृतसंकल्प हों।

–मदन सिंह काला,
सेवानिवृत्त आई.ए.एस

राजस्थान में साक्षरता की धीमी रफ्तार : सिक्किम भी हुआ सम्पूर्ण साक्षर

राजेन्द्र जोशी

वर्ष 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत के साथ देश में साक्षरता आंदोलन ने एक जनांदोलन का स्वरूप ग्रहण किया था। इसका उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं था, बल्कि समाज में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन की चेतना विकसित करना भी था। राजस्थान में भी यह अभियान व्यापक स्तर पर संचालित हुआ। सरकार, समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षाविदों तथा लाखों साक्षरता कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों से गांव-ढाणी तक साक्षरता का संदेश पहुंचा। परिणामस्वरूप प्रदेश ने विशेषकर 1991 से 2011 के बीच साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की और महिला साक्षरता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई।

राजस्थान एक समय देश के सबसे कम साक्षर राज्यों में गिना जाता था। साक्षरता अभियान के दौरान जिस प्रकार सामाजिक सहभागिता विकसित हुई, उसने शिक्षा के प्रति जनमानस का दृष्टिकोण बदला। गांवों में साक्षरता केंद्र खुले, स्वयंसेवकों ने घर-घर संपर्क किया और बड़ी संख्या में प्रौढ़ शिक्षार्थी शिक्षा से जुड़े।

इस दौर में साक्षरता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि सामाजिक चेतना का माध्यम बन गई। साक्षरता अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया। अनेक जिलों में महिलाएं पहली बार शिक्षा के दायरे में आईं। उन्होंने न केवल पढ़ना-लिखना सीखा बल्कि अपने अधिकारों, स्वास्थ्य, स्वच्छता, परिवार कल्याण और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी जागरूकता प्राप्त की। यही कारण रहा कि 1991 से 2011 के बीच राजस्थान की महिला साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस अवधि में प्रदेश की कुल साक्षरता दर में भी तेजी से सुधार हुआ और इसे साक्षरता के क्षेत्र में 'क्वांटम जंप' के रूप में देखा गया।

राजस्थान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहां स्वतंत्र साक्षरता निदेशालय स्थापित है। प्रत्येक जिले में साक्षरता से संबंधित स्वतंत्र व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में अनुभवी शिक्षाविद, संदर्भ व्यक्ति, कला जत्थे, स्वयंसेवी संगठन तथा प्रौढ़ शिक्षा से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ता उपलब्ध हैं। इसके बावजूद वर्तमान स्थिति चिंता का विषय है। देश की औसत साक्षरता दर लगभग 80.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि राजस्थान की साक्षरता दर लगभग 75.8 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि प्रदेश अपनी संभावनाओं के अनुरूप प्रगति नहीं कर पा रहा है। विशेष चिंता की बात यह है कि राजस्थान आज भी साक्षरता के मामले में देश के पिछड़े राज्यों में शामिल है। प्रश्न यह उठता है कि जब संसाधन, संस्थागत व्यवस्था और अनुभव उपलब्ध हैं, तो अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं मिल रहे हैं?

इस स्थिति का एक प्रमुख कारण साक्षरता कार्यक्रमों का जनांदोलन स्वरूप खो देना है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के शुरुआती वर्षों में सामाजिक सहभागिता इसकी सबसे बड़ी ताकत थी। गांवों में शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अभियान चलाते थे। समय के साथ यह अभियान अधिकतर सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया। समाज की सक्रिय भागीदारी घटने लगी और साक्षरता कार्यों में जनउत्साह कम होता गया। किसी भी सामाजिक अभियान की सफलता केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं होती, उसके लिए व्यापक सामाजिक सहयोग आवश्यक होता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण प्रौढ़ शिक्षा पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाना है। वर्तमान समय में प्रौढ़ शिक्षा को नई तकनीक, डिजिटल साधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। महिला साक्षरता भी अभी चुनौती बनी हुई है। सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनेक महिलाएं शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। महिला साक्षरता में वृद्धि किए बिना प्रदेश की कुल साक्षरता दर को राष्ट्रीय औसत से ऊपर ले जाना कठिन होगा।

प्रदेश के दूरस्थ रेगिस्तानी और आदिवासी क्षेत्रों में भी विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। स्थानीय भाषा, लोक संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता को साक्षरता कार्यक्रमों से जोड़कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। साक्षरता निदेशालय और जिला स्तर की व्यवस्थाओं को भी परिणाम आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। केवल योजनाओं का संचालन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभाव का नियमित मूल्यांकन भी आवश्यक है। प्रत्येक जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं और उनकी समयबद्ध समीक्षा हो। साथ ही शिक्षाविदों, स्वयंसेवी संस्थाओं और अनुभवी साक्षरता कार्यकर्ताओं को पुन: सक्रिय भूमिका में लाया जाए।

आज जब देश के कई राज्य पूर्ण साक्षरता की दिशा में सफलता प्राप्त कर चुके हैं और हाल ही में सिक्किम ने भी पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य हासिल किया है, तब राजस्थान के लिए आत्ममंथन का समय है। प्रदेश के पास संसाधनों की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और व्यापक सामाजिक भागीदारी की है। यदि साक्षरता को पुन: जनांदोलन का स्वरूप दिया जाए, प्रौढ़ शिक्षा को नई ऊर्जा प्रदान की जाए तथा महिलाओं और वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए, तो राजस्थान भी साक्षरता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

साक्षरता केवल आंकड़ों की वृद्धि नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक चेतना की आधारशिला है। राजस्थान ने अतीत में यह सिद्ध किया है कि सामूहिक प्रयासों से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि साक्षरता के उस स्वर्णिम आंदोलन की भावना को पुनर्जीवित किया जाए, जिसने कभी गांव-ढाणी तक जागरूकता की नई रोशनी पहुंचाई थी। यदि ऐसा किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान भी देश के अग्रणी साक्षर राज्यों की श्रेणी में सम्मानपूर्वक स्थान प्राप्त करेगा।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार।

राशिफल मंगलवार 2 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र रात्रि 10:06 तक, साध्य योग प्रात: 7:16 तक, तैतिल करण प्रात: 5:50 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग रात्रि 10:06 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:07 तक, शुभ 3:49 से 5:30 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष

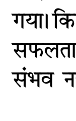

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष

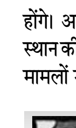

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन

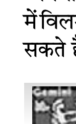

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। उचित सफलता मिल सकती है।

सिंह

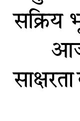

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

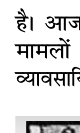

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

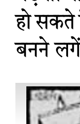

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

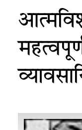

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

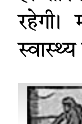

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन

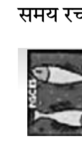

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य आज शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सार-समाचार

यातायात बाधित करने पर होगी कार्रवाई

नोहर (निसं)। यहां शहर की दुकानों के आगे सामान रख कर सड़कें जाम करने वाले व्यापारियों को सुधारने के लिए अब प्रशासन ने कमर कसी है। गत कुछ दिनों से मुनियादी कर दुकानों के आगे से अतिक्रमण व सामान हटाने की चेतावनी दी जा रही है। आज से इसे लेकर प्रशासनिक अमले ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है। सोमवार को स्टेशन तक नगरपालिका के दस्ते ने मुख्य मार्ग पर लगाई गई रेहड़ियों को हटवाया। साथ ही मार्ग को जाम कर व्यापारियों द्वारा रखे गए सामान को भी हटवाया। सभी को मिले सुगम पथ इस सबंध में इओ गिरिराज रतनू ने बताया कि अभी समझाइश कर रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। अगर नहीं माने तो 100 से लेकर 5000 रूपये तक जुर्माना ठोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक कचरा नियत स्थान व ऑटो टीपर में डाले। रेहड़ी चालक नियत स्थान पर रेहड़ी खड़ी कर अपना व्यापार चलाए। दुकानदार अपना सामान दुकानों में रखे। ऐसा नहीं करने पर सख्ती जाएगी।

खाटूश्यामजी थाने का घेराव

खाटू (निसं)। करोड़ों लोगों के आस्था के प्रतीक खाटूश्यामजी में एकादशी को हुए तोरण द्वार पर हुए त्रिलोकपुरा के निवासी करन कुमावत पर हुए हमले में शामिल अपराधियों की आज 6 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने के बाद सर्व समाज ओर खाटू धाम व्यापार मंडल के द्वारा थाने का घेराव किया गया। घेराव के बाद धरने को कुम्हार कुमावत सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष राधेश्याम काम्या, कुम्हार कुमावत महासभा के अध्यक्ष डॉ आर सी कुमावत, कुमावत छात्रावास ट्रस्ट के मंत्री नितेश पारमुवाल, जिला परिषद सदस्य ताराचन्द धायल, अजय मारवाल, शिवभगवान सारड़ीवाल, खाटू व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनू जोशी, नेमीचंद कुमावत ने संबोधित किया। धरने में थानाधिकारी पवन चौबे ने 2 दिन के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान बृजमोहन भाटी, शिवगोपाल भोडिवाल, शेखर मरेटिया नेमीचंद किरोड़ीवाल, नवीन कुमार दक्ष,किशोर दुल्हेपुरा, अनिल मारोठिया, सुभाष भारतीय, राजेश चेजारा, राजेंद्र जेठीवाल, जयसिंह तिलोकपुरा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता के लिए मोबाइल वैन रवाना

तारानगर (निसं)। तारानगर के अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने विधिक जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एडीजे मीणा ने बताया कि मोबाइल वैन सोमवार को गाँव घासला अगुणा व अथुणा एवं मंगलवार को गाँव झांझनी व नेठवा में रहेगी जिससे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मोबाइल वैन के जरिए ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम, वृक्षारोपण, नालसा की विभिन्न योजनाओं और कानून की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान 12.09.2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के फायदों के बारे में भी ग्रामीणों को बताया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग लोक अदालत के जरिए अपने मामलों का निपटारा कर सकें। इस अवसर पर न्यायालय कर्मचारी, अधिवक्तागण व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वनिधि महोत्सव और लोक कल्याण मेलों शुभारंभ

सीकर (निसं)। नगर परिषद सीकर द्वारा एक जून से 30 जून 2026 में स्वनिधि महोत्सव एवं लोक कल्याण मेलों का शुभारंभ एक जुन से आयोजन शुरू कर दिया है इसी कड़ी में सोमवार को नवलगढ़ पुलिया के नीचे रेहड़ी,ठेंलें वालों का मौके पर ही ऑनलाइन पीएम स्वयंनिधी योजना में आवेदन करवाए जा रहे हैं। नगर परिषद के वरिष्ठ आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि इन मेलों का उद्देश्य पीएम स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं एवं सड़क पर सेवाएं देने वाले असंगठित क्षेत्र के लोगों जिसमें भवन निर्माण श्रमिक,गिग वर्कर्स और स्ट्रीट वंडर्स कार्य करते हैं वहां पर नगर परिषद की टीम जाकर फार्म भरवायें जा रहें हैं। वरिष्ठ आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र स्ट्रीट वेंडरों को तीन चरणों में 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये तक, कुल 90 हजार रुपये तक ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

मानसून से पहले प्रशासन पूरी तरह सतर्क

झुंझुनूं (निसं)। आगामी मानसून सत्र 2026 को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले में संभावित बाढ़, जलभराव एवं अतिवृष्टि जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. अरूण गर्ग ने 15 जून से 30 सितम्बर तक जिला कलेक्ट्रेट परिसर में 24 घंटे संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष (फ्लड कंट्रोल रूम) स्थापित करने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 114 में संचालित होने वाले इस नियंत्रण कक्ष को मानसून अवधि के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों का मुख्य समन्वय केंद्र बनाया गया है। नियंत्रण कक्ष के लिए दूरभाष नंबर 01592-232237 एवं 1077 निर्धारित किए गए हैं, जहां आमजन किसी भी आपदा अथवा आपात स्थिति की सूचना दे सकेंगे। प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की चार पारियों में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिला कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान प्राप्त होने वाली वर्षा, जलभराव, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित सूचनाओं का त्वरित संकलन कर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाए।

राजगढ़ कस्बे में राजगढ़-बहल रोड ओल्ड चुंगी पर 4 फीट जलभराव

सादुलपुर (निसं)। राजगढ़ कस्बे में राजगढ़-बहल रोड स्थित ओल्ड चुंगी पर गंदे पानी का 4 फीट तक भराव होने से रोजाना आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है। इस रूट पर ज्यादातर ग्रामीण बाइक-मोटरसाइकिल से आते-जाते हैं, और सड़क पर बने गहरे गड्ढे व जलभराव हादसों को दावत दे रहे हैं। सोमवार शाम चार बजे दी जानकारी में स्थानीय लोगों ने बताया कि जलभराव के बीच डिग्गी भी बनी हुई है, जिससे कभी भी बडी दुर्घटना हो सकती है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव रामपाल डाबला ने चेतावनी दी कि अगर कोई हादसा हुआ तो उसकी जिम्मेदारी नगरपालिका व प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा, 'प्रशासन हमारा सब्र का इम्तिहान न ले, जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कर समस्या का समाधान करें'।

झुंझुनूं: जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

झुंझुनूं (निसं)। केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में सोमवार को कांग्रेस पार्टी ने झुंझुनूं में जोरदार प्रदर्शन करते हुए जनसमस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकालकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया और बाद में राज्यपाल के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आमजन से जुड़े मुद्दों पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

झुंझुनूं में केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया।

- महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, पेयजल संकट और कानून व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार को घेरा, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण प्रदेश की जनता अनेक समस्याओं से जूझ रही है। बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। वहीं बेरोजगारी की बढ़ती समस्या और युवाओं के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं में निराशा और अविश्वास का माहौल पैदा कर दिया है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में गंभीर पेयजल संकट बना हुआ है। बार-बार हो रही बिजली कटौती, सफाई व्यवस्था की बदहाली तथा बिगड़ती कानून व्यवस्था से आमजन परेशान है, लेकिन सरकार इन समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

रैली के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार को आवश्यक निर्देश दिए जाएं तथा संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए आमजन को राहत प्रदान की जाए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो पार्टी आम जनता के साथ मिलकर अपने संघर्ष को और तेज करेगी।

प्रदर्शन में पीसीसी सचिव एवं झुंझुनूं विधानसभा प्रभारी इस्लाम खान, गिड़ानिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुमेर सिंह महला, झुंझुनूं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजमत अली, जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष खलील बुडाना, प्रदीप कुमार सैनी, पूर्व चेयरमैन तैयब अली, सेवादल अध्यक्ष हारून लालपुर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणजीत चंदेलिया, मंडल अध्यक्ष मदनलाल सैनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लालचंद सैनी, मंडल अध्यक्ष ताराचंद सैनी, पूर्व उपसभापति राकेश झाझड़िया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गाडिया, मोहसिन खान, इन्द्र लाम्बा, विजयपाल लोदीपुरा, विनोद लोदीपुरा, मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र भैड़ा, रामनारायण कुमावत, उमर कुरैशी, अब्दुला अगवान, भूराराम लालपुरिया, छोटूराम, शिक्षक प्रकोष्ठ कांग्रेस के धर्मपाल खेदड़, जुल्फिकार खोखर, जुबैर सैयद, तौफिक रहमानी, इलियास, सुनील बुंदेला, खरातीलाल, मनोज कुलहरी, नवीन कुमार, मंडल अध्यक्ष विजय सिंह लाखलाण, मंडल अध्यक्ष राकेश राहड़, बगड़ नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेन्द्र कुमावत, सुभाष आल्हा, रियाज चायल, सद्दरूदीन ठेकेदार, विकास गुर्जर, राजकुमार डिठावाल, सलीम चौहान, रामोतार, जगदीश सिहाग, विक्की, मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र झांझड़िया, दीपक धींवा चनाना, मंडल अध्यक्ष मुमताज अली, अयुब कबाड़ी सहित झुंझुनूं शहर, बगड़ और सुल्ताना मंडल के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेंटर योगेश का किया अभिनंदन

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय पर आज शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण के सौजन्य से आयोजित सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पेंटर योगेश सोनी का अभिनंदन किया गया। यहां हुए एक सादे समारोह में अभिनेता शिव सिंह चौहान, आयोजक अमर सिंह किशनावत और फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने माल्यार्पण कर, शॉल ओढ़ाकर, मेडल पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट करके सोनी का सम्मान किया। आयोजक मनीषा चारण ने बताया कि सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम वर्ष 2020 से सतत रूप से चल रहा है। चारण ने बताया कि अब तक इस कार्यक्रम के तहत पत्रकार शिवनंदन शर्मा, पत्रकार, कवि एवं अभिनेता आशीष गौतम आशु, डॉ. ओमवीर सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कलाकार चौथ मल जांगिड़, पोस्टर डिजाइनर दिनेश कुमार सैनी, छात्रा किरण चारण सहित 200 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया जा चुका है।

चिकित्सा विभाग द्वारा डॉक्टर की नियुक्ति करने से मरीजों की संख्या बढ़ी

खेतड़ी (निसं)। पचेरी कलां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) एक बार फिर मरीजों की भीड़ देखने को मिल रही है। लंबे समय तक चिकित्सक का पद रिक्त रहने के कारण अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपचार नहीं मिल पाता था और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता था। अब चिकित्सा विभाग द्वारा डॉ. दीपक कुमार मीणा के पदभार ग्रहण करने के बाद अस्पताल में मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

डॉ. दीपक कुमार मीणा ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण सरकारी स्वास्थ्य इकाई है। यहां सामान्य बीमारियों का उपचार, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच, प्रसव संबंधी सेवाएं तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में वर्तमान में कुल सात कर्मचारियों का स्टाफ कार्यरत है, जिसमें एक चिकित्सक, दो नर्सिंग स्टाफ, एक फार्मासिस्ट, एक एएनएम, एक एनएचबी कर्मचारी तथा एक डाटा ऑपरेटर शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय तक चिकित्सक नहीं होने से मरीजों को मजबूरन निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, जिससे उन्हें आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता था। अब अस्पताल में नियमित चिकित्सकीय सेवाएं मिलने से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार की सुविधा उपलब्ध हो रही है। पचेरी कलां पीएचसी क्षेत्र के लगभग 37 गांवों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसके अलावा थाना पचेरी कलां से जुड़े मेडिकल परीक्षण और अन्य चिकित्सकीय कार्य भी यहीं संपन्न होते हैं। पहले इन कार्यों के लिए पुलिस और आमजन को अन्य स्थानों पर जाना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध होने से लोगों को काफी राहत मिली है। ग्रामीणों ने अस्पताल में चिकित्सक की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए स्वास्थ्य विभाग से भविष्य में भी पर्याप्त स्टाफ और सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

- उन्होंने बताया कि अस्पताल में वर्तमान में कुल सात कर्मचारियों का स्टाफ कार्यरत है

रामू का बास में दुर्घटना की काल्पनिक सूचना देकर कलेक्टर ने जांची 112 सेवा की तत्परता

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के प्रमुख सड़क मार्गों की सड़क सुरक्षा ऑडिट, ब्लैक स्पॉट, आई-रेड ऐप पर दुर्घटनाओं की प्रविष्टि, अवैध कटों को बंद करने, सड़क किनारे अस्थायी अतिक्रमण हटाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत ने जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव एवं निर्देश प्रदान किए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने आमजन को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने, सड़क सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालान एवं लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों से संबंधित बाल वाहिनियों की नियमित जांच, वाहन चालकों का आई-विजन परीक्षण कराने तथा मेडिकल शिविर आयोजित कर पात्र चालकों को चश्मे वितरित करने एवं उन्हें मां नेत्र वाउचर योजना से लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए।

जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी मामलों की नियमित रूप से आई-रेड पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने, सड़कों के किनारे आवश्यक पोल एवं साइनेज स्थापित करने, ब्लाइंड कर्व एवं ब्लैक स्पॉट का नियमित निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा ऑडिट कराने तथा आपातकालीन सेवा नंबर 112 की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही एम्बुलेंस सेवाओं का रिस्पॉन्स टाइम कम करने एवं उनकी पहुंच को अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया।

जिला कलेक्टर मोदी ने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत लोसल मार्ग एवं लक्ष्मणगढ़-फतेहपुर मार्ग तथा लक्ष्मणगढ़ पुलिया के समीप रबर स्ट्रिप, कोन एवं सोलर ब्लिंकिंग लाइट लगाने, बगड़ी तिराहे पर ब्लैक स्पॉट संबंधी साइनेज स्थापित करने तथा रोड सेफ्टी फंड का उपयोग सड़क सुरक्षा कार्यों में करने के निर्देश दिए। उन्होंने पिपराली सर्किल पर यातायात में बाधा बन रहे डेयरी बूथ एवं यूआईटी द्वारा किए गए सौंदर्यीकरण कार्य को हटाने, सड़क मार्गों पर अवैध कट बंद करने तथा कृषि उपज मंडी के गेट नंबर-2 को खुला रखने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सांवली सर्किल, नानी सर्किल एवं धोद चौराहे पर यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे पोल एवं ट्रांसफार्मरों को साइड में शिफ्ट करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस दौरान जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने सड़क दुर्घटना आपातकालीन सेवा नंबर 112 पर कॉल कर सड़क सुरक्षा रिस्पॉन्स सिस्टम की जानकारी ली। उन्होंने परीक्षण के तौर पर कॉल कर रामू का बास क्षेत्र में गंभीर सड़क दुर्घटना होने की काल्पनिक सूचना दी तथा घायल को किस अस्पताल में ले जाना चाहिए, इसकी जानकारी प्राप्त की। इस पर कंट्रोल रूम द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नोहर (निसं)। यहां कृषि विज्ञान केंद्र 22 नोहर में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित हुआ तपश्चात एक पेड़ मां के तहत पीपल का वृक्ष लगाकर पूजन कर इस अभियान का शुभारंभ हुआ। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत आज क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के संवर्धन को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आमजन को वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा भूजल स्तर को बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जल जीवन का आधार है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान लोगों को जल बचाने का संकल्प दिलाया गया तथा घरों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर जल संरक्षण के प्रभावी उपाय अपनाने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

550 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

- 31600 हजार रूपये का जुर्माना
- सीकर की संयुक्त टीम ने गोदामों और दुकानों की सघन जांच की

सीकर (निसं)। शहर को प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने सोमवार को निर्णायक कार्रवाई करते हुए दो नंबर डिस्पेंसरी और कलेक्ट्रेट के सामने के क्षेत्र में बड़ी छापेमारी की। प्लास्टिक पर्यावरण संरक्षण अभियान एवं मिशन लाइफ के तहत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, सीकर एवं नगर परिषद, सीकर की संयुक्त टीम ने गोदामों और दुकानों की सघन जांच की।

कार्रवाई के दौरान नियमों की अनदेखी कर भंडारण एवं बिक्री किए जा रहे 550 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग एवं सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किए गए। साथ ही दोषी पाए गए व्यापारियों पर 31,600 रूपये का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई राज्य सरकार की मंशानुरूप प्रदूषण नियंत्रण मंडल की क्षेत्रीय अधिकारी सविता के मार्गदर्शन तथा जिला कलेक्टर आशीष मोदी के नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान में राजस्व अधिकारी प्रमोद कुमार सोनी, प्रवर्तन दल, सहायक कर्मचारी सुरेश निठारवाल, कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता ओजस्व कड़वासरा, कुलदीप सूचना सहायक सहित मंडल एवं नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण और वितरण पर किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। साथ ही आमजन से पर्यावरण हित में कपड़े एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल थैलों के उपयोग की अपील की गई।

जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

- राजस्थान संपर्क पोर्टल के प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें : जिला कलेक्टर

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं के संतुष्टि स्तर में निरंतर सुधार लाया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय एवं राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त कार्यालय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने कृषि विभाग के उपनिदेशक को निर्देश दिए कि 3 जून को प्रातः 11 बजे दांतारामगढ़ पंचायत समिति में प्रगतिशील किसानों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिसके लिए आवश्यक तैयारियां पूर्व में सुनिश्चित की जाये।

उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता से कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विभाग द्वारा पेयजल लाइनों में लीकेज, मरम्मत तथा जलाशयों एवं टंकियों की साफ-सफाई, जल परीक्षण, जल बचत के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को अभियान के दौरान ट्रांसफार्मरों के आस-पास साफ-सफाई, मरम्मत एवं सुधार कार्य करवाने के साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग को सरकारी भवनों में स्थित आरटीडब्ल्यूएचएस की साफ-सफाई, रोड़ साईड में पौधारोपण करवाने के लिए अग्रीम तैयारी करने तथा वन विभाग को 5 जून को सभी नर्सरियों में पौध वितरण एवं साफ-सफाई के विशेष कार्य, हरियालों राजस्थान के तहत गड्ढे खोदना, सीसीटी, एसजीटी कार्य प्रांरभ करने वन क्षेत्र में विद्यमान जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालने का कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने उद्योग विभाग को सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत उद्यिमयों से अधिकाधिक सहयोग प्राप्त करने के लिए सक्रिय प्रयास करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने बताया कि 4 जून को पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा इनवायरमेंट मैराथन दौड़ का आयोजन किया जायेगा जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी अधिकाधिक भागीदारी करना सुनिश्चित करें।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि जिले में प्रतियोगिता परीक्षाएं चल रही है ऐसे में विद्युत विभाग विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को तैनात रखें ताकि आपातकालीन स्थिति में उनकी सेवाएं ली जा सके।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) भावना शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कार्यालय, मानवाधिकार आयोग एवं लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों के जवाब निर्धारित समय में भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सहकारिता, ऊर्जा, वन, पुलिस, नगर परिषद, सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा आरएसआरडीसी सहित संबंधित विभाग लंबित प्रकरणों में समय पर अपनी रिप्लाई फाइल प्रस्तुत करें।

सार-समाचार

प्रधानाचार्यों की पदोन्नित तिथि अंकन की मांग को लेकर रेसा-पी ने सौंपा ज्ञापन

चूरू (निसं)। सत्र 2015-16 से 2019-20 तक पदोन्नत हुए प्रधानाचार्यों की पदोन्नित तिथि अंकन का मामला एक बार फिर गरमा गया है। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा-पी) जिला शाखा चूरू ने सोमवार को शिक्षा मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्कूल शिक्षा) तथा निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपकर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। रेसा-पी के जिलाध्यक्ष रामकुमार खीचड़ के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया कि उक्त अवधि में पदोन्नत हुए लगभग 8 हजार प्रधानाचार्यों की पदोन्नित तिथि का अंकन आज तक नहीं हो पाया है। इससे संबंधित अधिकारियों में असंतोष बढ़ रहा है और उनके सेवा संबंधी हित प्रभावित हो रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। संगठन का कहना है कि लंबे समय से लंबित कार्य के कारण प्रधानाचार्यों में रोष व्याप्त है। रेसा-पी ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते पदोन्नित तिथि अंकन का कार्य पूरा नहीं किया गया तो प्रदेशभर के प्रधानाचार्य 8 जून को शिक्षा निदेशालय, बीकानेर के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान रेसला के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भंवरलाल गुर्जर, जिला मंत्री हरिप्रसाद टाक, गोपाल सिंह राघव, विजय कुमार, हंसा शर्मा, विजय लक्ष्मी शेखावत, सुनीता दादरवाल, चंद्रकला, जगदीश प्रसाद प्रजापत, कुलदीप राव, कुलदीप सिंह राठौड़, मोहनलाल अर्जुन, लियाकत अली, भानु प्रकाश शर्मा सहित अनेक प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

ददरेवा से 2 किमी आगे गाड़ी की टक्कर से युवक गंभीर घायल

सादुलपुर (निसं)। ददरेवा क्षेत्र के पाबासी गांव के पास एक सड़क दुर्घटना में पाबासी गांव निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में पुलिस ने सोमवार 91 जून को मैक्स गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानां अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गांव पाबासी निवासी मुकेश कुमार जांगिड ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 3० मई 2०26 की रात करीब 8.2० बजे वह अपने चाचा महावीर जांगिड के साथ बाइक पर सवार होकर राजगढ़ से पाबासी गांव लौट रहे थे। रास्ते में ददरेवा से आगे दोनों मोटरसाइकिल रोककर सड़क किनारे लघुशंका के लिए उतरे थे। इसी दौरान पाबासी की ओर से आ रही मैक्स गाड़ी के चालक ने कथित रूप से तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल तथा महावीर जांगिड को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महावीर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। मुकेश कुमार ने मौके से हटकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद परिजनों की मदद से घायल को पहले शहर के श्रीनाथ जी अस्पताल राजगढ़ में ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें हिसार रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालात गंभीर है। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

कॉन्स्टेबल सुरेंद्र गुर्जर को मिलेगा डीजीपी डिस्क सम्मान

खेतड़ी (निसं)। सिंघाना क्षेत्र के मोई भारू ग्राम पंचायत के गांव कुठानियां निवासी राजस्थान पुलिस के कॉन्स्टेबल सुरेंद्र कुमार गुर्जर को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए राजस्थान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और ग्रामीणों ने इसे पूरे इलाके के लिए गौरव का विषय बताया है। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र कुमार गुर्जर ने गत वर्ष कोटा रेंज के छबड़ा क्षेत्र में आई बाढ़ के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में साहस और मानवता का परिचय देते हुए एक प्रसूता महिला की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विपरीत परिस्थितियों में उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्य को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने उन्हें डीजीपी डिस्क सम्मान के लिए चयनित किया है। सुरेंद्र गुर्जर केवल एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी के रूप में भी पहचान रखते हैं। वे अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और जनहित के कार्यों में लगातार भागीदारी निभाते रहे हैं। उनके सामाजिक योगदान के लिए उन्हें विभिन्न संस्थाओं तथा उपखंड स्तर पर कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। डीजीपी डिस्क सम्मान मिलने की खबर के बाद गांव कुठानियां सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और गणमान्य लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। पूर्व प्रधान हरपाल सिंह, पूर्व सरपंच महेंद्र लूनिया, गीगराज मुकदम, राजेश शर्मा, शिम्भुदयाल ठेकेदार सहित अनेक ग्रामीणों ने सुरेंद्र गुर्जर को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का कहना है कि सुरेंद्र गुर्जर ने अपने सेवा कार्यों और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से क्षेत्र का नाम रोशन किया है तथा युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

परिंडे लगाकर पक्षियों को दी राहत

रतनगढ़ (निसं)। भाजपा रतनगढ़ शहर मंडल द्वारा भीषण गर्मी के मद्देनजर वार्ड संख्या 17 में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए तथा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत का संदेश दिया गया। इस दौरान धनवंतरी नगर क्षेत्र में साइकिल रैली निकालकर आमजन को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत को जनआंदोलन बनाया जा रहा है। भाजपा जिला प्रवक्ता ओम महर्षि ने कहा कि ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेश सैनी,मंडल उपाध्यक्ष निरंजन रुन्थला, महामंत्री डॉ. अरुण पंचलगिया, दीपक मुरारका, भींवराज प्रजापत, प्रवीण शर्मा, सुनील शर्मा, गोविंद खटोड़, करणी सिंह राजियासर, अमिता मुद्गल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

मुख्य नाले का कार्य लटका, निवर्तमान पार्षद ने जताई नाराजगी

रतनगढ़ (निसं) वार्ड संख्या 09 के मुख्य नाले को भूमिगत करने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक कार्यादेश जारी नहीं होने पर निवर्तमान पार्षद मोहम्मद अब्बास गौरी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन को पत्र लिखकर मानसून से पहले निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। गौरी ने बताया कि यह मुख्य नाला शहर के बड़े हिस्से के गंदे पानी की निकासी का प्रमुख माध्यम है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने और ठेकेदारों द्वारा निविदाएं जमा कराने के बाद भी कार्य शुरू नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी नगरपालिका प्रशासन और उपखंड अधिकारी को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते नाले का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो आगामी बरसात में जलभराव, गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। निवर्तमान पार्षद ने प्रशासन से शीघ्र कार्यादेश जारी कर निर्माण कार्य शुरू करवाने की मांग की है।

साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश पचरंगिया को दी श्रद्धांजलि

चिड़ावा। विश्व की पांच हजार हस्तियों में शामिल रहे नामी साहित्यकार महामहोपाध्याय डॉक्टर ओमप्रकाश पचरंगिया की जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। साहित्यकार डॉक्टर ओमप्रकाश पचरंगिया मार्ग स्थित पचरंगिया भवन में हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वाणीभूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी थे। विशिष्ट अतिथि केवलदास मंदिर महंत जयराम स्वामी, विवेकानंद मित्र परिषद के संरक्षक रोहिताश्व महला, मनोज मान, महेश शर्मा धन्ना और शशिकांत तिवाड़ी थे। इस दौरान साहित्यकार डॉक्टर ओमप्रकाश पचरंगिया स्मृति संस्थान के संरक्षक प्रभु शरण तिवाड़ी ने साहित्यकार पचरंगिया के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी कृति पत्नी पुराण, आशीर्वाद महाकाव्य, अनंत विजय, अर्चना के पुष्प, सिय संधान, स्वास्थ्य रक्षा सहित अन्य साहित्य काफी चर्चित रहा है। बिहार, यूपी, एमपी के विश्वविद्यालयों में उनकी संपादित पुस्तके पाठ्यक्रम का हिस्सा रही। महंत जयराम स्वामी ने कहा कि पचरंगिया का सात्विक जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहा है। विवेकानंद मित्र परिषद के संरक्षक रोहिताश्व महला ने कहा कि हमेशा पीड़ित की मदद का भाव और चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। संस्थान संरक्षक महेश आजाद ने कहा कि पचरंगिया अपने साहित्य के जरिए हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे।

पाटन के ग्राम पंचायत न्यौराणा में मनरेगा में काम नहीं मिलने से मजदूरों में रोष

मजदूरों ने पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ा, रोजगार की मांग को लेकर धरने पर बैठे

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत न्यौराणा में सोमवार को मनरेगा मजदूरों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा, जब उन्होंने काम नहीं मिलने और कथित भेदभाव से नाराज होकर पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ दिया। बड़ी संख्या में श्रमिक पंचायत भवन के बाहर धरने पर बैठ गए और नियमित रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।

मजदूरों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उनका कहना है कि पंचायत में बार-बार मनरेगा कार्य बंद कर दिए जाते हैं, जबकि आसपास की पंचायतों में लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न्यौराणा के जॉब कार्डधारी श्रमिकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रमिकों ने बताया कि कई बार मांग करने के बावजूद उन्हें काम नहीं दिया जा रहा है। रोजगार के अभाव में परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि मनरेगा में केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही काम दिया जाता है, जबकि अन्य पात्र श्रमिकों को जानबूझकर वंचित रखा जा रहा है।आक्रोशित मजदूरों ने पंचायत भवन पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और चेतावनी दी कि जब तक नियमित रूप से काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तथा भेदभाव समाप्त नहीं होगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।ग्रामीणों ने प्रशासन से न्यौराणा पंचायत में मनरेगा कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने तथा सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत न्यौराणा में मजदूरों ने पंचायत कार्यालय के बाहर नारेबाजी की।

- **श्रमिकों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं**

पाटन पंचायत समिति की विकास अधिकारी शशि बाला ने बताया कि नर्सिंगवाला में चल रहा मनरेगा कार्य सात दिन पहले पूरा हो चुका था। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर समझाइश के बाद पंचायत कार्यालय का ताला खुलवा दिया। साथ ही आश्वासन दिया कि ग्रामीणों के लिए शीघ्र ही नए मनरेगा कार्य स्वीकृत करवाकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पाली-प्रथम टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए लाटाडा तहसील बाली जिला पाली के पटवारी विक्रम को आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार आरोपित पटवारी द्वारा परिवादी से पूर्व में क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी, जिसमें से 5 हजार रुपये पूर्व में ले लिए गए थे। इसके अतिरिक्त परिवादी की माता के नाम पटवार हल्का लाटाडा स्थित भूमि खसरा संख्या 80 के सीमांकन के लिए 2 हजार रुपये की और मांग की जा रही थी। इस प्रकार पूर्व में किए गए कार्यों एवं वर्तमान कार्यों के एवज में कुल 8 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा था।

- **परिवादी से क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी**

शिकायत प्राप्त होने पर एसीबी चौकी पाली-प्रथम द्वारा मामले का सत्यापन किया गया। इसके बाद एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में तथा एसीबी पाली-प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र डुकिया के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपित पटवारी विक्रम को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार किया है। एसीबी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है।

13 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बबाई पुलिस ने आरोपी को शाहजहांपुर पुलिस को सौंपा

खेतड़ी, (निसं)। जिले में बबाई थाना पुलिस ने स्थायी वारंटी राजपाल उर्फ हाथिड़ा को गिरफ्तार कर संबंधित पुलिस थाने को सुपुर्द कर दिया। आरोपी लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित चल रहा था। बबाई थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

थानाधिकारी राजपाल उपनिरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खेतड़ी द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित राजपाल उर्फ हाथिड़ा पुत्र मालाराम निवासी दलेलपुरा, थाना बबाई, जिला झुंझुनूं को दस्तयाब किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस थाना शाहजहांपुर, जिला कोटपुतली-बहरोड़ को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जोधपुर के मंडोर उद्यान में टॉय ट्रेन से गिरी मासूम की मौत, युवती घायल

जोधपुर, (कासं)। मंडोर गार्डन में अपने माता-पिता के साथ घूमने आई पांच साल की एक मासूम बच्ची की टॉय ट्रेन से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने आज कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार बंबा निवासी मोहम्मद हबीब अपने परिवार के साथ मंडोर उद्यान घूमने गया था। वहां वह टॉय ट्रेन में परिवार सहित बैठा था। इस दौरान ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया। ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी मोहम्मद हबीब की पांच साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई। इसके साथ ही मुस्कान नामक एक अन्य युवती भी घायल हो गई। उन्हें घायलावस्था में मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल युवती का फिलहाल इलाज चल रहा है। इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति से ट्रेन चलाने के कारण ही उनकी बेटी की जान गई है और एक अन्य युवती अस्पताल पहुंच गई।

- **आरोप है कि ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया**
- **घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया**

भीषण गर्मी व लू के चलते ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप ने जैसलमेर यात्रा बीच में छोड़ी

सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था

जैसलमेर, (निसं)। मरुस्थलीय क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और रिकॉर्ड तोड़ लू के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छोटी बेटी टिफनी ट्रंप को अपना जैसलमेर का सोमवार का तय कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है।

टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं। रविवार शाम को जब टिफनी ट्रंप प्राइवेट जेट से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट उतरीं, तो जिला प्रशासन द्वारा उनका राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। उन्होंने रविवार शाम को ही ई-गोल्फ कार्ट में बैठकर विश्व प्रसिद्ध सोनार दुर्ग का भ्रमण किया था। किले के इतिहास और वहां आज भी रह रहे स्थानीय लोगों के बारे में जानकर उन्होंने इसे " अविश्वसनीय" बताया। रात में वे सम रोड स्थित पांच सितारा होटल के बेहद आलीशान विला में रुकी थीं, जहां अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का कड़ा पहरा था। सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था।

- **टिफनी ट्रंप जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गई**
- **टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं**

कार्यक्रम रद्द होने की मुख्य वजह :- जैसलमेर में इन दिनों नौतपा के चलते आसमान से आग बरस रही है। भीषण गर्मी और लू के चलते सुरक्षा मानकों तथा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस खुले पर्यटन क्षेत्र के कार्यक्रम को सोमवार सुबह रद्द कर दिया गया। शेड्यूल में अचानक आए इस बदलाव के बाद, टिफनी ट्रंप सोमवार सुबह ही जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गईं। एयरपोर्ट पर जिला कलैक्टर अनुपमा जोरवाल और पुलिस अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। भले ही भीषण मौसम के कारण उनका सोमवार का कार्यक्रम पूरा नहीं हो सका, लेकिन भारत की इस ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखकर वे बेहद प्रभावित नजर आईं। जामनगर पहुंचने के तुरंत बाद टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के मशहूर वन्यजीव संरक्षण केंद्र वंतारा को देखने के लिए रवाना हुईं। जामनगर एयरपोर्ट से लेकर वंतारा परिसर तक उनकी सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कोटा के ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

नकली चांदी व सोने के नाम पर धोखाधड़ी की थी

कोटा, (निसं)। नकली चांदी व सोने के नाम पर ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने के दर्ज मामले में कुन्हाडी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 नवम्बर 2024 को फरियादी दिनेश जैन ने कुन्हाडी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि सर्राफा व्यवसायी है, उसने कहा कि 16 अक्टूबर 2024 को स्वयं को दिल्ली निवासी बताते हुए विनित बंसल नाम का व्यक्ति उसकी दूकान पर आया और स्वयं को सोने चांदी की तेज मंडी का व्यवसाय करना बताया और अपना परिचय देकर दुकान से चला गया। 19 नवम्बर को वापस आया और उसने मुझे चांदी की सिल्ली 29 किलो 869 ग्राम की दिखाई जिसकी जांच करने पर सही पाया, लेकिन सौदा नहीं बैठने पर वह चला गया और 26 नवम्बर 2024 को विनित बंसल घर पर आया और 360 ग्राम शुद्ध सोना बुक करवा लिया और अगले दिन ले जाने की बात कही। रिपोर्ट में कहा कि विनित बंसल आया और उसे 360.250 ग्राम सोना मुझसे ले लिया और मेरे द्वारा भुगतान मांगने पर उसने सिक्योरिटी बाबत् चांदी की सिल्ली वजन 29 किलो 869 ग्राम सौंप कर अगले दिन भुगतान करने का आश्वासन देकर चला गया। सिल्ली की जांच करवाई तो नकली मिली, जिस पर धोखाधड़ी होने का शक हुआ।

गिरफ्तार आरोपी

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने मामले में अनुसंधान के दौरान घटनास्थल के फोटो एवं सीसीटीवी फुटेज लिये गये। घटनाकारित करने वाले अज्ञात आरोपी का रुट मैप बनाकर ट्रेस किया गया, जिसमें आरोपी को नामजद कर तलाश शुरु की गई। टीम ने पूर्व में मुख्य अभियुक्त मोहित कुमार वर्मा, सहअभियुक्त छत्रपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष अभियुक्त के के शर्मा की अपराध में संलिप्तता आने पर तलाश शुरु की गई।

मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ.पूनम चौहान के सुपरविजन में कुन्हाडी थानाधिकारी देवेश भारद्वाज के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम ने आरोपी की तलाश की, आरोपी शातिर प्रवृति का था गिरफ्तारी से बचने के लिये बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था, आरोपी पर 15 हजार का ईनाम राशि घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने 2 सालों से फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी आरोपी जिला धोलपुर के राजाखेड़ा निवासी के.के. शर्मा को शमशाबाद गेह आगरा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

अपहरण व वसूली मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ पीड़ित का अपहरण कर अवैध वसूली के लिए मारपीट करने का प्रकरण दर्ज किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित नवीन माहेश्वरी पुत्र जीवन माहेश्वरी निवासी रोशन नगर सविना सेक्टर 12 ने पुलिस थाने में 30 मई को रात में रिपोर्ट दी कि रात में मेरा पुत्र तेजस माहेश्वरी घर के बाहर सामान लेने गया था। तभी प्रेमसिंह चौहान, कुशाल मेघवाल उर्फ मारतुस व अरदीन व अन्य 7-8 जने बाईकों पर सवार होकर आए एवं पुत्र से रूपये की मांग की। इसमे असमर्थता जताने पर पुत्र का अपहरण कर हिरणमगरी सेक्टर 5 में एक के पास ले गए, जहां मारपीट शुरू कर दी। पुत्र की सूचना पर मेरे मित्र अनिल जाखड़ के साथ मौके पर पहुचे तो बदमाश नशे में रूपयों की मांग की। इनकार करने पर मेरी कार के कांच फोड़ दिए। इसको देख जान बचाकर मौके से भागे। इस दौरान बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी। इस मामे में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस टीम ने प्रेमसिंह पुत्र रोशनसिंह राजपूत निवासी भुताला गोगुन हॉल महाराणा प्रताप कॉलोनी गवरी चौक सेक्टर 11 सविना तथा कुशाल मेघवाल पुत्र भगवतीलाल निवासी पावटिया अगड़ लसाड़िया हॉल पथिक नगर कच्ची बस्ती सविना को गिरफ्तार किया।

ड्यूटी से घर लौट रहे गार्ड पर बदमाशों ने हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। गत देर रात ड्यूटी से लौट रहे एक सुरक्षाकर्मी पर 6 बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने गार्ड को बुरी तरह पीटा और उसकी बाइक व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल गार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंटेक्स मिल के सामने डीपीएस स्कूल के पास हुई।

जानकारी के अनुसार देवभूमि कॉलोनी निवासी बृजराज सिंह बियोला सिंटेक्स मिल में सुरक्षाकर्मी के तौर पर कार्यरत हैं। बृजराज सिंह देर रात अपनी ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए 6 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और अचानक हमला कर दिया। हमले से बृजराज का संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। बोतलों, पत्थरों, लाठियों से किए वार इसके बाद बदमाशों ने बियर की बोतलों, पत्थरों और लाठियों से बृजराज पर वार किए। उन्हें लहूलुहान करने के बाद बदमाश उनका मोबाइल फोन और बाइक छीनकर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। गंभीर रूप से घायल बृजराज किसी तरह हिम्मत जुटाकर रेंगते हुए सिंटेक्स मिल के मुख्य गेट तक पहुंचे। वहां मौजूद दूसरे सुरक्षाकर्मी को उन्होंने पूरी घटना बताई, जिसके बाद तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बृजराज को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **स्कूल के पास छह बदमाशों ने गार्ड का सिर फोड़ा, बाइक और मोबाइल लूटा**

महिला पर हमले के आरोपी को 10 साल की सजा

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में करीब तीन साल पहले महिला को लाठी-डंडों से मारपीट के दोषी को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी को दोषी मानते हुए 66 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जानकारी के अनुसार रामगढ़ कस्बे के गुर्जर मोहल्ले में महिला अत्री देवी के साथ 30 जुलाई 2023 को आरोपी हरमुख ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। लोक अभियोजक अजीत यादव ने बताया कि रामगढ़ के बहादुरपुर रोड स्थित गुर्जर मोहल्ले में अत्री देवी अपने बेटे हरमान को बुलाने के लिए गई थी। इस दौरान अत्री देवी ने देखा कि हरमुख उनके बेटे को शराब पिला रहा है। महिला ने इसका विरोध करते हुए हरमुख को बेटे को बिगाड़ने पर उलाहना दिया। इसी बात से नाराज होकर हरमुख ने लाठी से महिला पर हमला कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। हमले में अत्री देवी के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में इलाज किया गया। घटना के बाद बेटे हरमान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की और न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने 13 गवाहों के बयान और 26 दस्तावेजी साक्ष्यों का अवलोकन किया। साक्ष्यों के आधार पर एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी हरमुख को दोषी करार देते हुए दस वर्ष के कारावास तथा 66 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

जोधपुर में बारिश हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में सोमवार को एक बार फिर से मौसम बदला। शाम करीब 4 बजे बाद तेज हवा के साथ आंधी चल पड़ी। कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश शुरु हो गई। इससे पहले सुबह धूप रही। दोपहर दो बजे बाद बादल छाने शुरू गए थे। दो दिन पहले 30 मई को भी शहर में तेज अंधड़ और बारिश आई थी। इससे एक यूनिपोल और पेड़ गिर गए थे। सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया था। इधर, मौसम विभाग ने 2 और 3 जून को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को शहरी तथा ग्रामीण इलाकों में हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

जेईई-एडवांस्ड में शुभम कुमार ऑल इंडिया टॉपर

कोटा, (निसं)। आईआईटी रुड़की द्वारा जारी जेईई-एडवांस्ड 2026 रिजल्ट्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने लगातार तीसरे वर्ष ऑल इंडिया रैंक-1 देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन रिजल्ट्स के साथ एलन ने अब तक आईआईटी-जेईई में 7 बार ऑल इंडिया रैंक-1 दिए हैं तथा अपने इतिहास में दूसरी बार ऑल इंडिया रैंक-1, 2 और 3 को दोहराया है। इससे पहले वर्ष 2016 में भी एलन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। एलन के विद्यार्थियों ने देश की टॉप-10 रैंक में से 6, टॉप 50 में 24 क्लासरूम स्टूडेंट्स रहे हैं। देशभर में एलन की सफलता की अगुवाई एलन के कोटा क्लासरूम स्टूडेंट शुभम कुमार ने की। शुभम ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की। श्रेष्ठता के दौर को जारी रखते हुए एलन के ही क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने 360 में से 329 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-2 तथा जतिन चाहर ने 319 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-3 प्राप्त की।

अलवर में मंदिर से 100 मीटर दूरी पर शराब ठेका खुलने से आक्रोश

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर सोमवार सुबह शराब का ठेका खुलने की भनक लगते ही कॉलोनीवासी महिलाएं विरोध करने पहुंच गई, जहां महिलाओं के विरोध करने के बावजूद भी मंदिर से महज 100 मीटर की दूरी पर ही शराब का ठेका खोल दिया गया।

- **महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर शराब ठेका बंद करने की मांग की**

महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तुरंत शराब ठेका बंद करने की मांग की। महिलाओं का कहना है कि अब यहां से निकलना मुश्किल हो जाएगा। ठेका बंद कराने के लिए अलवर कलैक्टर के पास भी पहुंचे हैं।

अलवर के अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर मंदिर के पास शराब ठेका हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने नारेबाजी की।

अंबेडकर नगर विस्तार निवासी हल्दीना स्कूल की व्याख्याता पूनम कुमारी का कहना है कि कॉलोनी में सभ्य लोग रहते हैं। दूर-दूर के गांवों से आकर यहां रहने लगे, ताकि अच्छे से बच्चों को पढ़ा सके। अब यहां शराब का ठेका खोल दिया है। बगल में मंदिर भी बना हुआ है। पूनम कुमारी ने कहा कि ऐसे में बहन-बेटियों का देर शाम निकलना मुश्किल हो जाएगा। अभद्र व्यवहार होने की पूरी आशंका रहेगी। स्कूली बच्चों को आने-जाने में असहज महसूस होगा।

सुबेदार बाबूलाल जाटव का कहना है कि रातोंरात शराब का ठेका खोल दिया। किसी को शिकायत करने का मौका नहीं दिया। अब सोमवार सुबह दुकान पर शराब का ठेका लिखा हुआ देखा। इसके तुरंत बाद पूरी कॉलोनी के लोग एकत्रित हो गए, यहां सबने शराब ठेका खुलने पर विरोध जताया है।

इस मामले में आबकारी विभाग की अधिकारी अर्चना जैमन से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई बात नहीं हो पाई। उधर, पुलिस का कहना है कि यह आबकारी विभाग का मामला है। पब्लिक की शिकायत मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

अवैध बजरी परिवहन करते चार गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में बजरी का अवैध खनन एवं परिवहन जारी है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई कर अवैध बजरी से भरे डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की जा रही है। रविवार को भी लूणी पुलिस की दो टीमों ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी परिवहन के आरोप में चार लोगों को पकड़ा और अवैध बजरी डंपरों को जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ माइनिंग एक्ट में दो प्रकरण बनाए गए।

लूणी पुलिस थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि वे रविवार को गश्त पर थे। तब भटिण्डा गांव की सरहद में बजरी से भरे वाहन को रोका गया। चालक बजरी को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर पुलिस ने तोडियाना आसोप निवासी श्यामलाल देवासी, आंकला खींवसर निवासी देवीसिंह को माइनिंग एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह लूणी थाने के ही एएसआई भगवानाराम ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी के साथ रामलाल एवं हरसुखराम को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. जिला खण्ड इटावा

क्रमांक: 295 दिनांक :- 22.05.2026

निविदा सूचना संख्या 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 08.6.2026 को 06:00 बजे तक।

S.No	UBN No	S.No	UBN No
1	PWD2627WSOB03276	2	PWD2627WSOB03277
3	PWD2627WSOB03278	4	PWD2627WSOB03279
5	PWD2627WSOB03280	6	PWD2627WSOB03281
7	PWD2627WSOB03282	8	PWD2627WSOB03283
9	PWD2627WSOB03284	10	PWD2627WSOB03285
11	PWD2627WSOB03286	12	PWD2627WSOB03287
13	PWD2627WSOB03288	14	PWD2627WSOB03289
15	PWD2627WSOB03288		

(हेमराज चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड इटावा

DIPR/C/9333/2026

राजस्थान में 2.72 लाख करोड़ के 81 बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम जारी

रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर परियोजनाओं पर काम चल रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'पैमाना' रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 2.72 लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे राजस्थान की विकास यात्रा को नई दिशा मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल प्रदेश की आधारभूत संरचनाएं मजबूत होंगी, बल्कि रोजगार, व्यापार, परिवहन और निवेश के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की राजस्थान रिफाइनरी परियोजना जल्द शुरू होने की तैयारी में है। बाड़मेर जिले के पचपदरा में बन रही इस परियोजना की लागत करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए है।

इस रिफाइनरी के शुरू होने से राजस्थान सहित पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति मजबूत होगी। साथ ही हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

इसके अलावा एचपीसीएल की ओर से बाड़मेर में 461 करोड़ रुपए की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना पर भी काम चल रहा है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की 19 ऊर्जा ट्रांसमिशन परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपए की राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली हुई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और राजस्थान ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रदेश में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपए है। इनमें गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाला वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रमुख परियोजना है, जिसकी लागत करीब 1 लाख 24 हजार करोड़ रुपए है और इसका कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देवगढ़ मदारिया-नाथद्वारा रेललाइन, नाथद्वारा टाउन परियोजना, पुष्कर-मेड़ता सिटी रेललाइन और पोकरण-रामदेवरा नई रेललाइन जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम चल रहा है। इसके अलावा अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन और आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसी कई बड़ी परियोजनाएं भी प्रदेश के रेलवे नेटवर्क को मजबूत कर रही हैं।

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क नेटवर्क के विस्तार का काम भी तेज गति से जारी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा एनएचएआई की ओर से करीब 18 हजार करोड़ रुपए की 28 सड़क परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इनमें दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसकी लागत 6 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक है।

इसके अलावा एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी फोरलेन, ब्यावर-गोमती फोरलेन, फतेहपुर-मंडावा-झुंझुनूं बाईपास और नाथद्वारा से भटेवर तक सड़क उन्नयन जैसे कई कार्य लगभग पूर्णता की ओर हैं।

राजस्थान में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से करीब 2 हजार 874 करोड़ रुपए की तीन बड़ी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। बूंदी-कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को हाड़ौती क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस परियोजना की लागत करीब 1 हजार 507 करोड़ रुपए है और इसे नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उदयपुर एयरपोर्ट पर नया एकीकृत टर्मिनल और जोधपुर एयरपोर्ट पर घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।'पैमाना' रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान अब आधुनिक और मजबूत आधारभूत संरचना वाले राज्यों की श्रेणी में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, रिफाइनरी और एयरपोर्ट परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में विकास का नया ढांचा तैयार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

श्रीलंका की राजधानी में जयपुर फुट निर्माण का स्थायी केन्द्र स्थापित हुआ

श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के तकनीकी सहयोग से श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में जयपुर फुट निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित हो गया है और कार्य करने लगा है । इसी प्रकार का एक और केन्द्र श्रीलंका के बड़े शहर जाफना में इस माह स्थापित हो जाएगा।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि उक्त दो केन्द्रों की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. के चेन्नई केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. विनोद सुराणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. सुराणा जिनके स्वयं के पैतृक निवास में चेन्नई केन्द्र कार्यरत है ने श्रीलंका की संस्था ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस (ए.सी.बी.सी.) से आपसी सहयोग के प्रयास किए जो सफल रहे । ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस ने कोलंबो केन्द्र के लिए मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया था जिसे बी.एम.वी.एस.एस. ने भिजवा दिया। इस केन्द्र का नाम साधी सुया रखा गया है, जहाँ विकलांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर दिए जाएंगे, उद्घाटन समारोह में डॉ. सुराणा उपस्थित थे।

डी.आर. मेहता ने बताया कि श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा। कोलंबो केन्द्र बी.एम.वी.एस.एस. के जयपुर में प्रशिक्षित श्रीलंका की सेना के तकनीशियन संचालित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से श्रीलंका के तकनीशियनों को जयपुर के बी.एम.वी.एस.एस. के केन्द्र में गहन प्रशिक्षण दिया गया था। डी.आर. मेहता ने बताया कि जाफना के केन्द्र को संचालित करने के लिए जयपुर बी.एम.वी.एस.एस. के दो तकनीशियन जाएंगे, जहाँ स्थानीय तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया जाएगा। डी.आर. मेहता ने बताया कि वेस्ट इण्डीज के त्रिनिडाड और टोबैगो की राजधानी पोर्ट-ऑफ-स्पेन में हाल ही में एक स्थायी केन्द्र जयपुर फुट यू.एस.ए. के सहयोग से शुरू किया गया है, जिसका उद्घाटन त्रिनिडाड-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला बिस्सेसर प्रसाद ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की उपस्थिति में किया था। इस केन्द्र में बी.एम.वी.एस.एस. के तकनीशियन गजानन्द लाम्बा वहाँ तीन माह रहकर प्रशिक्षण देंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिनिडाड और टोबैगो में सितम्बर 2025 में एक विशेष शिविर लगाकर 803 विकलांगों का पुर्नवास किया गया था। इसी प्रकार भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2011, वर्ष 2012 और वर्ष 2024 में विशेष शिविरों में कुल 2759 विकलांगों को पुर्नवास किया गया । इसी तरह कोलंबों में 2011, 2022 और 2024 में तीन अलग-अलग शिविरों में 1408 विकलांगों का पुर्नवास किया गया ।

रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही प्रदेश की भागीदारी

मई माह में अब तक का सर्वाधिक 26632 प्लांट इंस्टॉलेशन हुआ

जयपुर । प्रदूषणरहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं।

योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है।

इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9316, जयपुर डिस्कॉम में 9204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाएं हैं।

इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।

ज्ञात रहे कि राजस्थान डिस्कॉम्स इस योजना को गति दे रहे हैं। इसके अन्तर्गत मई माह में डिस्कॉम के कार्मिकों ने 27 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं के रूफ टॉप सोलर आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया। यह किसी भी माह में सर्वाधिक आवेदनों का निरीक्षण है।

डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा ने बीते दिनों तीनों वितरण निगमों के सभी सर्किलों में निरीक्षण के प्रकरणों की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा कर निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी से लाने के निर्देश दिए थे। इसी का नतीजा रहा कि अभियंताओं ने सर्वाधिक निरीक्षण प्रक्रियाओं को सम्पन्न किया जिससे माह सर्वाधिक 31 हजार 437 उपभोक्ताओं को सबसिडी भी प्राप्त हुई। साथ ही, 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार से इसके लिए लगभग 1460 करोड़ रूपए की सब्सिडी भी लाभार्थी उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी करेंगे चारधाम के दर्शन

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उत्तराखंड की पांच दिवसीय यात्रा में चार धाम के दर्शन करेंगे। देवनानी जयपुर से मंगलवार को प्रातः 10 बजे वायुयान से देहरादून जाएंगे। देवनानी ने कहा कि चार धाम की यात्रा पवित्र और आध्यात्मिक तीर्थ यात्रा है। देवनानी इस यात्रा को पारंपरिक क्रम में ही पूरा करेंगे। पारंपरिक क्रम के अनुसार यह यात्रा यमुनोत्री से आरंभ होकर गंगोत्री और केदारनाथ होते हुए बद्रीनाथ धाम पर पूरी होती है। देवनानी ने बताया कि यमुनोत्री धाम देवी यमुना, गंगोत्री धाम देवी गंगा, केदारनाथ धाम भगवान शिव और बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है।

बर्फ फैक्ट्री, बीएमसी व घरों में बिजली चोरी पकड़ी

■ 12 मामलों में 20 लाख से अधिक का लगाया जुर्माना

जयपुर । जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को कालवाड़ विद्युत सब-डिवीजन क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच के दौरान बर्फ की एक फैक्ट्री, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) व 10 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी पकडी। इन सभी मामलों में वीसीआर भरकर करीब 20 लाख रूपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि अधिशाषी अभियंता (सतर्कता) चेतन स्वरूप भंसाली के नेतृत्व में सतर्कता दल ने ग्राम पचार में एक घरेलू कनेक्शन की जांच की, जिसमें पाया गया कि विद्युत का उपभोग दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) के संचालन में किया जा रहा था। इस पर करीब 2 लाख 43 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। सर्वेश्वर विहार स्थित एक बर्फ फैक्ट्री में मीटर से छेडछाड कर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 4 लाख 37 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार मांगू बाबा की ढाणी, पचार, गुजारिया वाली ढाणी, लालरपुरा के 4 आवासीय परिसरों में एलटी पोल से सीधे तार जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी। इन पर करीब 5 लाख 84 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी 6 परिसरों में संयुक्त रूप से 49.83 कि.वॉट का विद्युत लोड पाया गया।

अधिशाषी अभियंता के.सी.गुप्ता के निर्देशन में ग्राम रामकुंई, पचार, शबरामपुरा, पुनियां की ढाणी में एलटी पोल से सीधे अवैध तार जोडकर 6 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी के मामले पकडे गये। जिनमें करीब 8 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है।

अजेय कुमार के नेतृत्व में राजस्थान में संगठन को मिलेगी नई गति : मदन राठौड़

■ भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हर्ष जताया

जयपुर (कासं)। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार को राजस्थान भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

मदन राठौड़ ने कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण तथा कुशल नेतृत्व राजस्थान भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में भाजपा राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन विस्तार और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के संगठनात्मक अनुभव और कुशल नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में वर्ष 1997 में श्रीनगर गढ़वाल से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले अजेय कुमार ने संघ और भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

श्रीनगर, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में नगर प्रचारक, ऊधमसिंह नगर में जिला प्रचारक तथा अल्मोड़ा विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद एवं बिजनौर विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में भी संगठन को मजबूत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। यह निर्णय भाजपा नेतृत्व के उस विश्वास को भी दर्शाता है कि अनुभवी एवं सक्षम संगठनकर्ता ही संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, नाहर सिंह जोधा, ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदडा, सरिता गेना, बिहारी लाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू भाई मईडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, मिथिलेश गौतम ने भी संगठन महामंत्री की नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

जर्मन शेफर्ड के हमले में 4 वर्षीय मासूम गंभीर घायल

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग द्वारा 4 वर्षीय मासूम बच्ची पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के पास हमला कर उसे बुरी तरह नोंच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

हैड कांस्टेबल रामनिवास ने बताया कि पत्रकार कॉलोनी स्थित राधाकुंज धोलाई की एक रेजीडेंसी में संतोष कुमार माथा अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 4 वर्षीय पुत्री आद्विका खंडेलवाल 24 मई की रात करीब 8:30 बजे अपने फ्लैट से दो घर छोड़कर रहने वाले बच्चों को बुलाने गई थी।

परिजनों के अनुसार जैसे ही बच्ची ने पडौसी फ्लैट का डोरबेल बजाया और गेट खुला, तभी अंदर से तेजी से दौड़कर आए पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग ने उस पर अचानक हमला कर दिया। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के ऊपरी हिस्से को बुरी तरह नोंच लिया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और चीखने लगी।

आरोप है कि घटना के बाद बच्ची की मदद करने के बजाय पडौसी ने पहले डॉग को अंदर खींच लिया और इसके बाद अपने फ्लैट का गेट बंद कर लिया। इस दौरान बच्ची दर्द से तड़पती रही। शोर सुनकर पहुंचे अन्य पडौसियों ने उसे संभाला और सोसायटी कॉरिडोर में लाकर प्राथमिक सहायता दी।

परिजन उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची के सिर और आंख के पास गहरे घाव हैं और उसकी प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है, जिसके लिए मंगलवार को सर्जनों द्वारा जांच की जाएगी।

पीएम पोषण योजना में केन्द्र सरकार ने 954 करोड़ रुपए मंजूर किए

भोजन की पौष्टिकता और गुणवत्ता जांचने के लिए प्रदेश की स्कूलों का औचक निरीक्षण करें अधिकारी : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान केंद्र सरकार की "पी.एम. पोषण योजना" की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने इस योजना में राज्य के लिए 953.97 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसे समिति ने अनुमोदित किया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव यूडीएच आलोक गुप्ता, सचिव ग्रामीण विकास कृष्ण कुणाल, सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अम्ब्रीश कुमार संयुक्त सचिव वित्त (व्यय) डॉ. भारती दीक्षित, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मलावत, मिड-डे-मिल आयुक्त विश्व मोहन शर्मा तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा पी.एम.पोषण योजना से जुड़े अफसर मौजूद थे।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने पीएम पोषण योजना के पोर्टल को तत्काल अपडेट करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई।

■ बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार ने भी श्रीकृष्ण भोग योजना संचालित कर वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी है। भोजन की गुणवत्ता विद्यार्थियों की माताएं और महिला अभिभावक जांचती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी इस नवाचार की प्रशंसा की है।

श्रीकृष्ण भोग योजना ना केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, बल्कि कुपोषण एवं एनिमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी गई।

मुख्य सचिव को अतिथि माता कॉन्सेप्ट से भी अवगत कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता स्वच्छता और पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण करवाया जाता है। साथ ही बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद और गुणवत्ता परीक्षण के लिए भोजन भी करवाया जाता है।

जिस पर माताएं एवं महिला अभिभावक अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवाती हैं। अभी तक 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताओं द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया है।

ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वालों पर पुलिस का शिकंजा

3 बड़े वाहन सीज, अब तक 86 हजार से अधिक पर कार्रवाई

जयपुर। राजधानी में ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वाले आदतन और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा और सख्त अभियान शुरू किया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर मोटर वाहन अधिनियम (संशोधित 2019) के तहत सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी है।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से ड्राइविंग, ब्लैक फिल्म का उपयोग, अनाधिकृत मॉडिफिकेशन तथा बार-बार नियम तोड़ने वाले आदतन वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान तीन बड़े मामलों में वाहनों को सीज किया गया है। इनमें शामिल हैं बस नंबर 071319, जिसके चालक ने 67 बार यातायात नियमों का उल्लंघन किया । बस नंबर 054377, जिस पर 63 बार नियम उल्लंघन दर्ज है । थार नंबर 607445, जिसे 6 बार नियम तोड़ने के बाद दोबारा उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त अब तक 37 अन्य आदतन वाहनों को भी जब्त किया जा चुका है।

30-31 मई को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने शहरभर में व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान ब्लैक फिल्म के 451 मामले, ओवरस्पीडिंग के 3108 मामले, अनाधिकृत मॉडिफिकेशन के 119 मामले, शराब पीकर वाहन चलाने के 36 मामले और मॉडिफाइड साइलेंसर के 31 मामले दर्ज किए गए इस अभियान के दौरान 25 से अधिक दोपहिया वाहनों के अवैध साइलेंसर हटवाए गए तथा 100 से अधिक चौपहिया वाहनों से अनाधिकृत बंपर एवं बुलगार्ड हटवाए गए। पुलिस के अनुसार अब तक कुल 86,157 वाहनों के खिलाफ चालान एवं शमन की कार्रवाई की जा चुकी है, जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है।

15697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड

डीसीपी ट्रैफिक योगेश गोयल ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से अब तक 42,358 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने तथा 558 वाहनों के रजिस्ट्रेशन सस्पेंड करने की अनुशंसा परिवहन विभाग को भेजी गई है। इनमें से अब तक 15,697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए जा चुके हैं। ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहन के पेंडिंग चालानों की स्थिति की जांच आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर करें और समय पर उनका भुगतान सुनिश्चित करें।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिन मामलों को वर्चुअल कोर्ट में भेजा जा चुका है, उनका निस्तारण अब ट्रैफिक पुलिस स्तर पर नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मामलों की स्थिति जानने के लिए संबंधित वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोटपूतली में खनन माफिया के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों पर बदमाशों ने फायरिंग की

फायरिंग में 10 ग्रामीण घायल हुये, 3 की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती सरूण्ड थाना क्षेत्र के ग्राम अजीतपुरा-कुजोता में खनन माफिया के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों पर फायरिंग किये जाने का मामला सामने आया है। हमले में 10 ग्रामीण घायल हो गये। वहीं 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को कुछ लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों पर कथित रूप से फायरिंग और पथराव कर दिया, जिसमें 10 ग्रामीण घायल हो गये। घायलों में 3 की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया तथा घटनास्थल पर डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह, कोटपूतली थानाधिकारी राजेश शर्मा, पनियाला थानाधिकारी रणवीर सिंह सहित तीनों थानों का बडी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण पिछले करीब 300 दिन से आबादी क्षेत्र में संचालित खनन कार्य एवं डीप होल ब्लास्टिंग का विरोध कर रहे थे। प्रशासन द्वारा 30 मई को धरना स्थल हटाने और सामान जब्त करने के बाद ग्रामीणों ने सोमवार को पुनः धरना शुरू करने का निर्णय लिया था। ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे श्मशान भूमि के निकट पूर्व निर्धारित स्थल पर पहुंचे तो वहां रास्ते में पत्थर डालकर अवरोध खड़ा कर दिया गया था। ग्रामीणों के अनुसार कुछ लोग समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से मिलने गए थे, जबकि अन्य लोग धरना स्थल पर मौजूद थे। इसी दौरान तीन कैंपर वाहनों में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने ग्रामीणों पर फायरिंग और पथराव शुरू कर दिया। हमले से वहां भगदड़ मच गई और लोगों ने जान बचाने के लिए

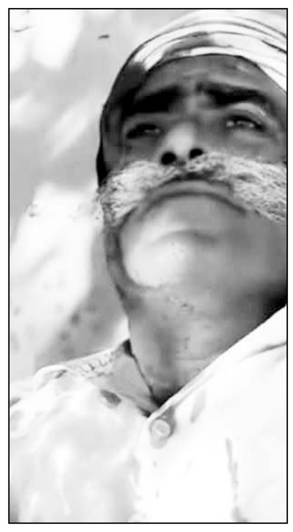

फायरिंग में घायल हुये ग्रामीण।

बदमाशों ने मौके पर खड़ी बाइकों में तोड़फोड़ कर दी।

इधर-उधर भागकर शरण ली। हमलावरों ने मौके पर खड़ी कई मोटरसाईकिलों को भी पत्थरों और डंडों से क्षतिग्रस्त कर दिया। घटनाक्रम

- तीन कैंपर वाहनों में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने ग्रामीणों पर फायरिंग और पथराव शुरू कर दिया, मौके पर भगदड़ मची
- घटनास्थल पर डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में सरूण्ड, कोटपूतली और पनियाला थानों का जाब्ता तैनात किया गया

में मदन लाल वर्मा (69), सुगनचंद आर्य (65), दशरथ बावरिया (40), करिश्मा (16), महेंद्र कुमार मीणा (46), जगदीश योगी (60), कालू (60), विनय सिंह (26), दीपक (29), कालू खान (65) घायल हो गये, जिन्हें एम्बुलेंस की सहायता से यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल विनय सिंह, दीपक, कालू खान को उपचार के लिये जयपुर रैफर किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि सुबह करीब 11.30 बजे घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। घटनास्थल से कारतूस के दो खोल बरामद हुए हैं, गोली लगने से कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी पुष्टि चिकित्सकीय रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। ग्रामीणों ने खनन माफियाओं पर सुनियोजित हमले का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वहीं प्रशासन और पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फायरिंग की घटना को लेकर ग्रामीणों व पुलिस की ओर से अलग-अलग दावे किये गये हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हमलावरों द्वारा .315 राईफल्स से 12 बोर के दो दर्जन से अधिक राउण्ड फायर किये गये हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि मौके पर 4-5 राउण्ड ही फायरिंग हुई हैं। सरपंच प्रतिनिधि नेतराम ताखर ने बताया कि करीब 300 दिनों पूर्व ग्रामीणों की ओर से नेशनल लाईमस्टोन कंपनी की ओर से आबादी क्षेत्र में खनन और डीप होल ब्लास्टिंग के विरोध में धरना प्रदर्शन शुरु किया। 30 मई को प्रशासन की ओर से धरने को जबरदस्ती हटा दिया गया और सामान जप्त कर लिया था। ग्रामीणों ने तय किया था कि सोमवार सुबह 9 बजे से जिला कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन देने के बाद धरना प्रदर्शन शुरु किया जायेगा। सुबह एसडीएम योगेश सिंह देवल की ओर से ग्रामीणों को फोन आया कि आप अपना धरना प्रदर्शन का जब्त किया हुआ सामान ले जाओ। कलेक्ट्रेट की जगह जहां पहले धरना प्रदर्शन कर रहे थे वहीं करो। इसके बाद ग्रामीण कोटपूतली जाकर सामान लेकर आ गए। सामान लेकर गांव के पास स्थित श्मशान भूमि के पास धरना देने पहुंचे। लेकिन खनन माफियाओं ने पहले जगह को पत्थर डालकर बंद कर दिया था।

वहीं पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में पहुंचकर घायल ग्रामीणों के हाल चाल जाने। कांग्रेस जिलाध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनिवास यादव आदि ने भी घटना की निंदा की है।

राजलदेसर के पास बिनादेसर गांव में दो साल से पेयजल संकट

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या समाधान की मांग की।

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बिनादेसर में दो वर्ष से जारी पेयजल संकट को लेकर सोमवार को ग्रामीणों और किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या समाधान की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में एक वर्ष पूर्व पेयजल टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक उसमें पानी की सप्लाई शुरू नहीं की गई है। इसके चलते गांव के लोगों को भीषण गर्मी में पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार उच्च अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन के दौरान कामरेड भादर भामू ने कहा कि

- समस्या को लेकर लेकर ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पर किया प्रदर्शन
- ग्रामीणों को मजबूरन 1000 रुपए टैंकर के देकर पानी डलवाना पड़ता है

गर्मी के इस मौसम में आमजन पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि समस्या के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पांच दिनों के भीतर पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया गया और नई टंकी से जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो ग्रामीण उपखंड कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

सरपंच प्रतिनिधि तुलसीराम सारस्वत ने कहा कि ग्रामीणों को मजबूरन 1000 रुपए टैंकर के देकर पानी डलवाना पड़ता है, पशुओं के लिए भी पीने का पानी का बहुत बड़ा संकट है। एडवोकेट शिव भगवान सारस्वत ने कहा कि कांग्रेस विधायक, कांग्रेस सांसद केवल जीत के चले जाते हैं उनको इस महत्वपूर्ण समस्या के बारे में अनेकों बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस अवसर पर मेघवाल समाज के तहसील अध्यक्ष कालूराम मेघवाल, भीम आर्मी सेना के अध्यक्ष श्रवण बारूपाल, कालूराम नाई, मनोज सारस्वत, राजू सारस्वत, तोलाराम जाट, शिव भगवान शर्मा, राजूराम मेघवाल सहित सैकड़ों ग्रामीण और किसान मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नई टंकी से जलापूर्ति शुरू कर बिनादेसर की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

पाटन के हाईवे पर स्कॉर्पियो पलटी, एक की मौत

मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर हनुमानगढ़ लौट रहे थे युवक

नोहर, (निसं)। सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे-21 पर रविवार को रेटा गांव के समीप दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए।

मेहंदीपुर बालाजी दर्शन कर हनुमानगढ़ लौट रहे युवकों की स्कॉर्पियो बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और चार बार पलटते हुए 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसा घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें स्कॉर्पियो को बेकाबू होकर पलटते हुए देखा जा सकता है। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और दो युवक गाड़ी से उछलकर बाहर जा गिरे। हादसे में बालोतरा निवासी राजपाल (22) ने

- बाइक को बचाने के प्रयास में हादसा हुआ, पांच घायल
- हादसे का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है

मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल करण सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है।

मधुमक्खियों के हमले में महिला की मौत, एक घायल

मसूदा, (निसं)। निकटवर्ती देवमंगरी गांव में मधुमक्खियों के हमले से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह कमला पत्नी संग्राम और मानी पत्नी भाला खेत में कृषि कार्य कर रही थीं। इसी दौरान खेत में स्थित नीम के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से निकली मधुमक्खियों ने दोनों महिलाओं पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने पर दोनों को तत्काल नसीराबाद चिकित्सालय ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर रेफर कर दिया गया। उपचार के बाद कमला को घर भेज दिया गया, लेकिन रविवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे पुनः चिकित्सालय ले जा रहे थे। रास्ते में उसकी मौत हो गई।

डूंगरपुर में घर से निकली युवती का शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। साबला थाना क्षेत्र में खोडियार माता मंदिर के पास एक युवती का संदिग्ध शव मिला है। युवती की पहचान हो गई है। उसके पिता ने बेटी की मौत पर संदेह व्यक्त किया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

साबला थाना एएसआई के अनुसार पेमा बरगोटा मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी बेटी 25 मई की सुबह करीब 8 बजे किसी काम से घर से निकली थी। वह अपनी सहेली के साथ थी। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। 29 मई को भाई गणेश के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि दोनों खोडियार माता मंदिर, साबला के पास पड़े हुए हैं और उन्होंने कथित तौर पर गोली खा ली है। 30 मई, शनिवार सुबह परिजनों को मौत की सूचना मिली। बाद में निठाऊवा पुलिस ने भी युवती की मौत की पुष्टि की। सूचना मिलने पर परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे।

तीन गिरफ्तार

मसूदा/ब्यावर, (निसं)। छह माह पूर्व ब्यावर शहर में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने अजीत काठात, इरफान और महावीर काठात को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गए आभूषण बरामद करने के साथ ही चोरी की रकम से खरीदी गई पुरानी कार और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार 18 दिसंबर 2025 को हाउसिंग बोर्ड निवासी जितेंद्र जैन अपने परिवार के साथ एक सामाजिक कार्यक्रम में गए हुए थे। जांच करने पर अलमारी खुली मिली और घर से लगभग 10 तोला सोने के आभूषण, दो जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी की बिछिया, चांदी के आभूषण तथा अन्य सामान चोरी होना सामने आया।

युवक के खाते में सायबर फ्रॉड के 5.51 लाख रुपये आये

सीकर, (निसं)। सीकर शहर के रहने वाले एक युवक के अकाउंट में सायबर फ्रॉड के 5.51 लाख रुपए आने का मामला सामने आया है। युवक ने इनमें से 4 लाख से ज्यादा रुपए उस दिन ही निकाल लिए। युवक के अकाउंट के खिलाफ सायबर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज है। उद्योग नगर एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। सीकर के वार्ड नंबर 48 निवासी मोहम्मद रिहान के अकाउंट के खिलाफ सायबर क्राइम स्टेट विंग से इनपुट मिला था। जब अकाउंट की जांच की गई तो पता चला कि 14 अगस्त 2025 को युवक के अकाउंट में चार लाख 83 हजार 565 क्रेडिट हुए, जो उसने चैक के जरिए उस दिन ही वापस निकाल लिए। जांच में सामने आया कि युवक के अकाउंट पर 13 अगस्त से 14 अगस्त के बीच हुए ट्रांजैक्शन पर सायबर पोर्टल पर दो शिकायत दर्ज हुई। दोनों शिकायतों का अमाउंट 5 लाख 51 हजार 565 रुपए है। शिकायत भी फर्स्ट लेयर की है, जिसका मतलब है कि जो भी पीड़ित सायबर फ्रॉड का शिकार हुआ उसने अमाउंट डायरेक्ट रिहान के अकाउंट में ट्रांसफर किया।

पांच लाख का चोरी का माल सहित चार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर उम्मेदपुरा नयागांव में टनल निर्माण कार्य के दौरान पानी निकालने के लिये लगी दो मोटर व कंक्रीट के सेट्रींग की लोहे की प्लेटें चोरी के दर्ज मामले में मंडाना पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से चोरी का करीब पांच लाख रूपये का माल बरामद किया। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने छह लोहे की प्लेटें और दो पानी की मोटर बरामद की है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो को भी जप्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 28 मई को संतोष कुमार सिंह ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि दिलीप बिल्डकॉन लि. कम्पनी में लाईजनिंग ऑफिस का कार्य करता हूँ, जिनकी कम्पनी वर्तमान में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे के उम्मेदपुरा नयागांव में टनल निर्माण का कार्य कर रही है। 6-7 बड़ी प्लेटें व दो पानी की मोटर को 27 मई की रात्रि को कोई

- छह लोहे की प्लेटें व दो पानी की मोटर बरामद की

अज्ञात व्यक्ति वाहन में डालकर चोरी करके ले गये, जिसका स्टोर कर्मचारी नवीन द्वारा निरीक्षण करने पर पता चला। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान व सूचना के आधार पर भवरिया डडवाडा थाना मण्डाना निवासी भागचंद, मंडाना निवासी जगदीश मेघवाल, मनोहरपुरा हाल डडवाडा थाना मंडाना निवासी दिनेश कुमार एवं मंडाना निवासी राजेन्द्र सुमन को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ पर चोरी की गई 6 लोहे की प्लेटें व 2 पानी की मोटरें बरामद की, जिनकी कीमत करीब पांच लाख रूपये है। टीम ने वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो को जब्त किया।

उदयपुर की पॉश कॉलोनी में दो मकानों से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर तक ले गए बदमाश

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में पॉश कॉलोनी गोल्ड लीफ के दो मकानों के ताले तोड़ रविवार रात बदमाश लाखों के जेवर नकदी चोरी कर ले गए। दोनों ही घरों के परिवार पारिवारिक कार्य से गुडगांव गए थे। बदमाशों ने न सिर्फ घरों के सभी कमरों के इंटरलॉक तोड़े, बल्कि अलमारी में रखे बॉक्स में लगे स्ट्रॉन्ग लॉक तक तोड़कर सामान चोरी किया। बदमाश घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर तक उठा ले गए।

पुलिस ने बताया कि गोल्ड लीफ विला के क्यू 32 निवासी अनिल खंडेलवाल और क्यू 28 निवासी राजेश सिंघी के घरों में चोरी हुई। बदमाशों ने रात 2.30 बजे से 4 बजे

- बदमाशों ने घर के हर कमरे के दरवाजों पर लगे इंटरलॉक तोड़ दिए और अलमारियों को काफी डैमेज किया
- दोनों ही घरों के परिवार पारिवारिक कार्य से गुडगांव गए थे, पड़ोसी ने दी चोरी की सूचना

के बीच दोनों घरों में चोरी को अंजाम दिया है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पॉश कॉलोनी होने के बावजूद यहां पुलिस की गश्त नहीं है। इस क्षेत्र में पुलिस को गश्त के लिए कभी आते नहीं देखा। दोनों घरों से बदमाश करीब 15 से 20 लाख रूपए कीमत के जेवर-नकदी चोरी का ले गए हैं। इसके अलावा दरवाजों और अलमारियों की तोड़फोड़ कर लाखों का नुकसान किया है। गोल्ड लीफ विला क्यू 32 निवासी अनिल खंडेलवाल ने बताया कि वे परिवार के साथ दस दिन पहले गुडगांव गए थे। सोमवार सुबह पड़ोसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे हुए हैं। हम गुडगांव से रवाना हो गए हैं पडोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों ने घर के हर कमरे के दरवाजों पर लगे इंटरलॉक को तोड़ दिए हैं और अलमारियों को काफी डैमेज किया है। बदमाश घर में रखे करीब चार किलो चांदी के जेवर, 1 लाख रूपए कैश और कुछ ब्रांडेट घड़ियां चोरी कर ले गए।

दूसरी चोरी गोल्ड लीफ विला क्यू 28 विला निवासी राजेश सिंघी के यहां हुई है। राजेश सिंघी के अनुसार वे पारिवारिक कार्य के चलते गुडगांव में हैं। घर के परिसर की साफ-सफाई और पौधों को पानी देने के लिए काम करने वाली बाई आती है। आज सुबह बाई घर पहुंची तो सभी दरवाजों के ताले टूटे थे और सारा सामान बिखरा हुआ था। बाई ने पड़ोसियों को बुलाया और हमें कॉल किया। पता चला क्यू 32 में भी चोरी हुई है और पुलिस वहां आयी हुई है। इस पर पड़ोसियों ने क्यू 32 में मौका-मुआयना कर रही पुलिस को हमारे घर क्यू 28 में हुई चोरी की जानकारी दी। राजेश सिंघी के घर से बदमाश चांदी के जेवर 10 ब्रांडेड घड़ियां और डेढ लाख रूपए चोरी कर ले गए हैं। बदमाश इन दोनों घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर तक चोरी कर ले गए। पुलिस ने पड़ोसी के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। पड़ताल में सामने आया है कि बदमाशों ने रात करीब ढाई से सुबह चार बजे के बीच चोरी को अंजाम दिया है। इस दौरान बदमाशों की चहलकदमी कॉलोनी में दिखायी दी है।

हादसे में एक की मौत, चार घायल

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे सड़क पर बीगोद के पावनधाम के पद रविवार को बनाए गए नियम विरुद्ध स्पीड ब्रेकर से हुए हादसे ने एक बाइक सवार की जान ले ली। वहीं इस हादसे के शिकार हुए चार अन्य बाइक सवार गम्भीर रूप में घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक लाडपुरा से भीलवाड़ा तक 55 किलोमीटर तक एनएचएआई द्वारा करीब 15 वर्ष पूर्व बनाई गई टू लेन सड़क आए दिन हादसे पेश आ रहे हैं, इन हादसों ने कई परिवारों के चिराग बुझा दिए हैं, जो आज भी भारी सदमे में हैं। रविवार को बीगोद के पास सड़क के ब्लैक स्पॉट पर हादसों के बचाव को लेकर आनन-फानन में बेतरतीब ओर स्पीड ब्रेकर बना दिए और वाहन धारियों को सचेत करने के लिए मौक़े पर स्पीड ब्रेकर का कोई भी संकेत तक नहीं लगाया गया और न ही रिफ्लेक्टर लगाए गए। इस दौरान तेज रफ्तार से गुजर रही दो बाइकें अचानक हाईवे पर बने अनियमित स्पीड ब्रेकर की चपेट में आ गई, जिससे भीषण हादसा हो गया।

पाटन के ग्राम मोहनपुरा खरकड़ा में मनरेगा में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

पाटन, (निसं)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत राजस्व ग्राम मोहनपुरा खरकड़ा में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सरकारी स्कूल जोहड़ी के विकास कार्य के नाम पर स्वीकृत मनरेगा कार्य वास्तविक रूप से मोक्ष धाम में कराया जा रहा है, जबकि सरकारी अभिलेखों में कार्य स्थल स्कूल जोहड़ी दर्शाया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा योजना के तहत सरकारी स्कूल जोहड़ी के विकास और सुधार संबंधी कार्यों की

- स्कूल जोहड़ी के नाम पर स्वीकृत कार्य मोक्ष धाम में होने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया
- ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है

स्वीकृति दी गई थी, लेकिन मौके पर जाकर देखने पर कार्य मोक्ष धाम में संचालित होता दिखाई दे रहा है। इससे योजना के क्रियान्वयन और भुगतान प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया है कि गांव में एक से अधिक मोक्ष धाम होने के बावजूद केवल एक ही स्थान पर कार्य क्यों कराया जा रहा है। अन्य मोक्ष धामों को विकास कार्यों से वंचित रखने के पीछे क्या कारण है, इसकी भी जांच होनी चाहिए। मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि स्वीकृत कार्य स्थल को बदलकर नियमों की अनदेखी की गई है। लोगों ने आशंका जताई है कि कहीं यह किसी विशेष मद से राशि निकालने या फंड के दुरुपयोग का प्रयास तो नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि कार्य स्थल परिवर्तन किया गया है तो इसकी वैधानिक अनुमति और प्रक्रिया सार्वजनिक की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह पता लगाने की भी मांग की है कि स्कूल जोहड़ी के नाम पर स्वीकृत कार्य मोक्ष धाम में कैसे कराया जा रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराना और सार्वजनिक परिसंपत्तियों का विकास करना है, लेकिन यदि योजनाओं में इस प्रकार की अनियमितताएं होती हैं तो इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाती है।

कोटा : अवैध हथियार की खरीद फरोख्त में आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बपावर कलां पुलिस टीम ने अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त में फरार 10 हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गिरफ्तारी को लेकर बपावर कलां पुलिस टीम के साथ मामले में साइबर व डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 23 फरवरी थाना बपावर कलां पुलिस टीम ने गश्त के दौरान आरोपी ईमरान उर्फ कालिया को अवैध पिस्टल सहित पकड़ा था। पिस्टल सहित पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान किया तो आरोपी ने पिस्टल इस्लाम नगर निवासी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर से लाना बताया। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर विशेष टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर टीम ने कोटा, बूंदी, टोंक एवं भीलवाड़ा में संभावित स्थानों पर दबिश दी। फरार आरोपी पर 10 हजार का ईनाम राशि घोषित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकरण का आरोपी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर कोटा आया हुआ है एवं अनन्तपुरा क्षेत्र में थड़ी पर है। सूचना पर थाना बपावर कलां पुलिस टीम, सायबर टीम एवं डीएसटी टीम को सांकेतिक स्थान पर रवाना कर तलाश किया गया तो आरोपी अनन्तपुरा में थड़ी पर बैठा नजर आया, जिसे विशेष टीम ने घेराबंदी कर इस्लाम नगर निवासी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में घटना के बाद केरल, उड़ीसा, बेंगलूरु में फरारी काटना बताया, आरोपी से अनुसंधान जारी है।

कल रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार जीत दर्ज की। विराट कोहली 75 रन बनाकर नाबाद रहे और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जोश हेज़लवुड और टिम डेविड ने भी अहम भूमिका निभाई।

- रिचर्ड मार्ल्स

ऑस्ट्रेलियाई उपप्रधानमंत्री, कोहली की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी **रजत पाटीदार**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार आईपीएल का सरताज बनाने वाले कप्तान रजत पाटीदार इस ऐतिहासिक जीत के बाद बेहद भावुक और खुश नजर आए। गुजरात टाइटन्स को फाइनल में पटखनी देने के बाद कप्तान पाटीदार ने अपनी सफलता और टीम के शानदार सफर का श्रेय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और अपने गेंदबाजों को दिया है। मुझे कोहली भाई से बहुत मदद मिली। जब भी मैं उन्हें देखता हूं, वे हमेशा टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए मौजूद रहते हैं। वे युवा खिलाड़ियों के पास खुद जाते हैं, भले ही वे उनके पास जाने में हिचकिचाते नहीं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय फुटबॉल टीम के सबसे महान खिलाड़ी सुनील छेत्री हैं, जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 95 गोल का रिकॉर्ड है। पुरुष टीम फीफा रैंकिंग में वर्तमान में 136वें स्थान पर है।

अक्सर सोचता था कि विनिंग शॉट मैं ही लगाऊं : विराट कोहली

अहमदाबाद, 1 मई। यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की।'' यह भावुक बयान क्रिकेट जगत के बेताज बादशाह विराट कोहली का है, जिन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चेज मास्टर क्यों कहा जाता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने वाले विराट कोहली को उनके अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान को जड़ा उनका वह गगनचुंबी छक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, ''यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। हमारी टीम का संयोजन ऐसा है जो किसी भी परिस्थिति से बाहर निकलने का भरोसा देता है।'' उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय उन्हें अपनी भूमिका और रणनीति पूरी तरह स्पष्ट थी। कोहली ने कहा, ''मुझे पता था कि रन-चेज़ में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।''

अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा, ''यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था, बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी।'' कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था।

उन्होंने कहा, ''एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गए तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े मुकाबलों में यही अनुभव काम आता है।'' उन्होंने कहा, ''बड़े अवसरों पर बड़े खिलाड़ियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होती है। मुझे पता था कि लक्ष्य का पीछा करते समय विपक्षी टीम मुझे जल्दी आउट करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा था। मुझे विश्वास था कि हमारी चैंपियन टीम तीन-चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर सकती है।''

आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले -

इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा

अहमदाबाद, 1 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है।

रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, ''इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में।'' महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन, सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप और एमवीपी ऑफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे।

उन्होंने कहा,''मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं।'' उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, ''सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।''

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 जून। अंडर-16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 225 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। चिराग यादव ने 58, गजेंद्र ने 57 और दक्ष ने 44 रनों का योगदान दिया द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी द राजस्थान क्रिकेट अकादमी 35 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। सचिन मीणा ने सर्वाधिक 39 रनों का योगदान दिया।

आईसीसी का बड़ा फैसला : टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी से निपटने के लिए गुलाबी गेंद का परीक्षण मंजूर

नई दिल्ली, 1 मई। आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की वजह से खेल रुकने की समस्या को कम करने के लिए एक नए प्रयोग को मंजूरी दे दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार अब ऐसे टेस्ट मैचों में, जहां खराब रोशनी की संभावना होगी, लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की पूर्व सहमति जरूरी होगी। गौरतलब है कि अब तक गुलाबी गेंद का उपयोग केवल दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में किया जाता रहा है। विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में इस तरह के मुकाबले नियमित रूप से खेले जाते हैं। लेकिन अब आईसीसी दिन के समय खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में भी आवश्यकता पड़ने पर लाल गेंद से गुलाबी गेंद पर बदलाव का परीक्षण करना चाहता है, ताकि कृत्रिम रोशनी में खेल जारी रखा जा सके और खराब रोशनी के कारण होने वाले समय और ओवरों के नुकसान को कम किया जा सके। यह फैसला अहमदाबाद में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दी है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए 4 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में इसका इस्तेमाल संभव नहीं होगा। बता दें कि आईसीसी ने खराब रोशनी की समस्या से स्थायी समाधान खोजने के लिए अनुसंधान को भी मंजूरी दी है। परिषद अब मैच अधिकारियों और स्टेडियमों के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था तकनीक पर शोध करेगी। इस परियोजना में मेरिलीबोन क्रिकेट क्लब यानी एमसीसी भी सहयोग करेगा। इसके अलावा सीमित ओवर क्रिकेट में भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

पिछले साल 11 मौतों से लिया सबक, आईपीएल खिताब जीतने के बाद भी आरसीबी नहीं निकालेगी विजय जुलूस

नई दिल्ली, 1 मई। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता।

आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का आगाज

उद्घाटन मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से रौंदा

जयपुर, 1 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ रविवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर हुआ।

1 जून से 27 जून 2026 तक चलने वाली इस लीग में कुल 56 मैच खेले जाएंगे।

राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए:

पहला मैच: राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से हराया। राजस्थान फुटबॉल स्कूल: आराध्य (6, 19, 22, 50), उज्ज्वल (8), राघव (12), अयन (34) ने गोल किए। जयपुर फुटबॉल क्लब: अयानांश (30) ने एकमात्र गोल किया।

दूसरा मैच: जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स ने जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स: महेश मीणा (28, 55), कृष रोशन (25), लवित्रा (35 2) ने गोल किए।

तीसरा मैच: रॉयल फुटबॉल क्लब ने ब्रदर्स यूनाइटेड को 2-1 से हराया। रॉयल एफसी के समर (23), मोबीन (50) ने गोल किए। ब्रदर्स यूनाइटेड: के नकुल (52) ने एकमात्र गोल किया।

चौथा मैच: एएसएलफुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 1-0 से हराया। एएसएल एफसी: सर्वसिद्ध (29) ने गोल किया। यह लीग राजस्थान में ग्रासरूट फुटबॉल को मजबूत करने की दिशा में आरएफए का एक और बड़ा कदम है।

लीग विवरण: इस लीग में प्रदेश की 8 सबसे अच्छी टीमें हिस्सा ले रही हैं:

1. रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर
2. ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, जयपुर
3. रेड स्टोन फुटबॉल क्लब, जयपुर
4. राजस्थान फुटबॉल स्कूल, जयपुर
5. एलीट फुटबॉल क्लब, जयपुर
6. एएसएलफुटबॉल क्लब, जयपुर
7. जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब
8. जयपुर फुटबॉल क्लब

यूनियन फुटबॉल क्लब में रग्बी खेल का शुभारंभ, जयपुर की 13 टीमों ने भाग लिया

टच रग्बी प्रतियोगिता परिणाम

बालिका वर्ग: यूनियन रग्बी क्लब - विजेता
निकिता पब्लिक स्कूल - उपविजेता
बालक वर्ग: शौर्य जननी फाउंडेशन - विजेता, ब्लैक पैंथर - उपविजेता
टैकल रग्बी प्रतियोगिता परिणाम
पुरुष वर्ग: ब्लैक पैंथर - विजेता, शौर्य जननी फाउंडेशन - उपविजेता
बालिका वर्ग: ब्लैक पैंथर - विजेता, डी.आर. क्लब - उपविजेता

जयपुर, 1 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक, वर्ष 1889 में स्थापित यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) में आज रग्बी खेल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। क्लब के कॉर्डिनेटर एवं ट्रस्टी अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब अपने खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करते हुए अब रग्बी खेल को भी अपने नियमित खेलों में शामिल किया।

रग्बी प्रतियोगिता का उद्घाटन क्लब ग्राउंड संख्या-2, रामनिवास बाग, जयपुर में क्लब पदाधिकारियों एवं राजस्थान रग्बी संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर की कुल 8 बालक एवं 5 बालिका टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत टच रग्बी तथा टैकल रग्बी के रोमांचक मुकाबले हुए।

इस अवसर पर यूनियन फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिव महिपाल स्वामी, राजेन्द्र सिंह शेखावत, आर. के. भट्ट, कोषाध्यक्ष योगिनी भाव्या राजावत, राजस्थान टच रग्बी एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौरा, शारीरिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला टच रग्बी संघ के अध्यक्ष जगदीश गोपाल गुरु शर्मा, चैना राम, राजस्थान रग्बी के पदाधिकारी श्याम सिंह राजावत, दिग्विजय सिंह, पंकज सैनी, आशीष, दिलीप सिंह, तरुण पंवार, हैंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षय राज सिंह राठौड़, आर. एल. लम्बा, कबड्डी कोच राज नारायण शर्मा, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की संस्थापिका अर्पिता माथुर, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक प्रमोद जैन, मनीषा जैन, राजस्थान बार काउंसिल अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, प्रेरक स्वामी, पल्लवी जैन, ग्राउंड इंचार्ज गौरव जी, 94 वर्षीय गोपाल कृष्ण तेलंगाना, प्रवीण शर्मा, सहित सैकड़ों खिलाड़ी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रामनिवास बाग यूनियन फुटबॉल क्लब के माध्यम से पुनः स्पोर्ट्स हब बनता जा रहा है।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड : कबीर, महेंद्र, दिव्यांश, सिद्धार्थ की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 1 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर में राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों में चूरू, करौली, सिरोही, झुंझनू, जोधपुर, श्रीगंगागनर, सवाई माधोपुर, जालोर, जैसलमेर, धौलपुर, सीकर, भीलवाड़ा, राजसमंद, कोटा, भरतपुर जीती। दर्शन जैन, सुमित गोदारा, दिव्य गजराज, साहिल दीवान, शबाज, सचिन कैथ, जतिन चौधरी, केशव डिडवानिया ने शतक लगाए। कबीर शर्मा, महेंद्र चौधरी, दिव्यांश फौजदार, सिद्धार्थ पुरोहित, नयन मैडा, लखन भारती, यश कोठारी, विजय पॉटर, भव्य राज, सज्जन शर्मा ने शानदार गेंदबाजी की।

सवाई मान सिंह स्टेडियम - सीकर - अजमेर, सीकर 84 रन से जीती। अनंतं ग्राउंड राजसमंद -हनुमानगढ़ राजसमंद 65 रन से जीती। जैपुरिया ग्राउंड भीलवाड़ा - झालावाड़, भीलवाड़ा 85 रन से जीती। के एल सैनी ग्राउंड बूंदी - सिरोही, सिरोही 5 विकेट से जीती। लक्ष्य ग्राउंड बारां - सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर 2 विकेट से जीती। अरावली ग्राउंड बीकानेर-जैसलमेर, जैसलमेर 3 विकेट से जीता। जी आर ग्राउडं भरतपुर -दौसा, भरतपुर 115 रन से जीती। पी एस ग्राउंड प्रतापगढ़ - करौली, करौली 8 विकेट से जीती। वंडर ग्राउंड नागौर -धौलपुर, धौलपुर 7 विकेट से जीती। टेलर ग्राउंड जालोर - डूंगरपुर, जालोर 181 रन से जीती। स्पार्टन ग्राउडं टोंक - चूरू, चूरू 8 विकेट से जीती।वंडर ग्राउंड कोटा -पारी, कोटा 15 रन से जीती। एंजेल ग्राउंड चित्तोड़ - जोधपुर, जोधपुर 8 विकेट से जीती। रिपब्लिक ग्राउंड बाड़मेर - झुंझनू , झुंझनू 1 विकेट से जीती । क्लब क्रिकेटोलॉजी श्रीगंगानगर - बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर 124 रन से जीती।

राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

जयपुर की कचनार, रितिशा, निकिता और रिंकू ने भी जीते स्वर्ण पदक

आदेश गरसा और डोना धाकड़ बने सबसे तेज धावक

जयपुर, 1 जून। बीकानेर के सादुल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झुंझुनूं के आदेश गरसा और जयपुर की डोना धाकड़ ने क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ का खिताब जीतकर प्रदेश के सबसे तेज धावक-धाविका बनने का गौरव हासिल किया। आदेश गरसा ने 10.81 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता। अजमेर के अभिजीत लांघे दूसरे और भरतपुर के शैलेन्द्र चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में डोना धाकड़ ने 12.12 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया। बीकानेर की टीना पारीक दूसरे तथा जयपुर की कशिश चोमाल तीसरे स्थान पर रहीं। समापन समारोह में राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह तथा राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव देवनारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जबकि महिला वर्ग में जोधपुर की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर के मानव शर्मा ने 10 हजार मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में अंतरराष्ट्रीय एथलीट कचनार चौधरी ने शॉटपुट, निकिता कुमारी ने डिस्कस थ्रो, रिंकू चौधरी ने ट्रिपल जंप और रितिशा कौर ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।।

75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2026

योग्या व दक्षिणा ने बनाए नए रिकॉर्ड

जयपुर, 1 जून। योग्या सिंह (भीलवाड़ा) और दक्षिणा जोशी (टोंक) ने 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड कायम किए। प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर जिला तैराकी संघ द्वारा स्टेडियम स्विमिंग पूल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन दस से अधिक प्रतियोगिताओं का फैसला हुआ। योग्या सिंह ने महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 1:08.46 मिनट का समय निकालकर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि दक्षिणा जोशी ने महिला 200 मीटर बटरफ्लाई में 2:22.03 मिनट का समय दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

महिला वर्ग - रतिका खता (धौलपुर) ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता 2:17.32 मिनट में जीत ली। अववि‍का चौधरी (जयपुर) ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 24:06.06 मिनट के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया।

आध्या बृजेश ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब 39.41 सेकंड में अपने नाम किया। 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में हरिका, आध्या, अश्विका और वान्या की जयपुर टीम ने 5:03.90 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं सर्वी, आध्या, सिद्धिक्षा और वानिया की टीम ने अपनी रिले प्रतियोगिता में 5:43.84 मिनट के समय के साथ जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग - मोहम्मद अनस (भीलवाड़ा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक दोनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु सियाग ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब 18:17.22 मिनट में जीता। साहिल गुप्ता (जयपुर) ने 200 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 2:29.72 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यश तिवारी, गौरण, कृष्णादित्य और पृथ्वीराज की टीम ने 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले का खिताब आठ दिन पहले का सफल समापन किया। शाम का मुख्य आकर्षण एमजीडी स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग का मनोमोहक प्रदर्शन रहा। जयपुर के दर्शकों ने पहली बार इस खेल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। समारोह के मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, वित्त विभाग के मुख्य शासन सचिव, राजस्थान सरकार थे। विजेताओं को पुरस्कार अनिल व्यास, अध्यक्ष, राजस्थान तैराकी संघ ने प्रदान किए।

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector - 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/2344 Date :- 25/05/2026

Notice Inviting E-Bids

Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in upto 02.00 pm of 23/06/2026 for Establishment of Conference Room (25-Seater) at RUHS College of Medical Sciences . (Total Est. Cost Rs. 35,00,000.00) Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in or www.ruhscms.org.

UBN :- CMS2627WSOB00014
Principal,
Raj.Samwad/C/26/3841 RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल) / 2026-27

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण / मरम्मत कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2022-23 एवं 2025-26, लेखानुदान, RIDFXXVIII, एम.जे.एस.वाई., स्टार्स प्रोजेक्ट, समग्र शिक्षा 2024-25 इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 23 राजकीय विद्यालयों के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 165.95 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.96 लाख से 24.58 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाएं 29/05/2026 प्रातः 10.00 बजे से 08/06/2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN IS: RSE2627WSOB00304
राज.संवाद/सी/26/3856

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited

क्रमांक :- एफ 2(45)स्टोर/MD/RSFDCL/2026/22399052 दिनांक :- 22/05/2026

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना
(EOI) संख्या 02/2026-27

सलाहकार /परामर्शदाताओं के पैनल (For Emplanelment of Consultants/Advisors) मे सम्मलित होने के लिये इच्छुक बोलीदाता से दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 02.30 बजे तक खुली बोली में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। निर्धारित समय तक प्राप्त तकनीकी बोलियों को दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 03.00 बजे सक्षम उपापन समिति द्वारा प्रबन्ध निदेशक, राज. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, अरण्य भवन, जयपुर के कार्यालय के कमरा नं. बी-116 में खोली जावेंगी। बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in से देखे जा सकतें हैं।

UBN No. : FDC2627SSOB00002
राज.संवाद/सी/26/3850 महाप्रबन्धक (मुख्यालय)

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/237 Dated :- 25/05/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date : 18.06.2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN : MSC2526GLOB00056
Executive Director (EPM)
Raj.Samwad/C/26/3853 Rajasthan Medical Services Corporation

कार्यालय नगर पालिका, सीकरी, जिला-डीग (राज0)

क्रमांकः- न.पा.सीकरी / निर्माण / 2026 / 469 दिनांक :- 26.05.2026

ई-निविदा सूचना - 02/2026-27

नगरपालिका सीकरी के द्वारा निम्न निर्माण कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मान्यता प्राप्त उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा द्वारा कुल 01 कार्य की कुल अनुमानित लागत 139.63 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः ई-निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्तें कार्यालय एवं विभाग की बेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in देखी / पढी जा सकती है। जिसके UBN NO. निम्नलिखित है।

Nib Code - DLB2627A2270
UBN No. - DLB2627WSOB05785, Pub.Date - 26.05.2026
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 26 / 3796 नगरपालिका सीकरी (डीग)

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / स्टोर शाखा / 2026 / 1601 दिनांक :- 26.05.2026

:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा दिनांक 11.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2627SLOB05773 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3814 नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर परिषद्, ब्यावर
Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / रोषनी / 2026-27 / 2138 दिनांकः- 25.05.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा परिषद क्षेत्र में 15th FFC Untied एवं परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नांकित रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाया जाने हेतु परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रकिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। दिनांक 10.06.2026 सांय 06:00 बजे तक निविदा भरी जा सकती है एवं ई-निविदा फार्म शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आई.एफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा कराकर रसीद की हार्डकॉपी तथा बोली धरोहर का डी.डी. / बैंकर चैक एवं सक्षम पंजीकरण की कॉपी नगर परिषद, ब्यावर के रोशनी शाखा में दिनांक 11.06.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाये जाने है। ई-निविदा सूचना की समस्त शर्तें SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिसका NIB Code DLB2627A2231 है एवं UBN नम्बर निम्नानुसार है:-
(i) DLB2627GLOB05722,
(ii) DLB2627GLOB05724,
(iii) DLB2627GLOB05726,
(iv) DLB2627GLOB05728

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3807 नगर परिषद, ब्यावर

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 8112207969 @ 9414389929

कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

क्रमांक: एफ( )/कृअके/2026-27/66-71 दिनांक: 30/05/2026

निविदा सूचना (2026-27)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 08.06.2026 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क
कृषि अनुसंधान केन्द्र, पर मक्का परियोजना एवं फल अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य (5.12 हेक्टर)	5,13,075/-	10,500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विकास, सुशासन व जन कल्याण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जन कल्याण आदि क्षेत्रों में नई ऊँचाईयों की ओर तेजी से अग्रसर है।**

नई दिल्ली/जयपुर, 1 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग विकसित राजस्थान के संकल्प को निरंतर शक्ति प्रदान करता है।

जल जीवन मिशन के एक आरोपी को सशर्त जमानत

■ **हाई कोर्ट ने अरूण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी व चार आरोपियों की याचिका को खारिज किया।**

जयपुर, 1 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन के टेंडरों से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे चार आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। वही, अदालत ने एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड के तत्कालीन सचिव शुभांशु दीक्षित, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार तत्कालीन मुख्य लेखाधिकारी एवं वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा तथा तत्कालीन मुख्य अभियंता स्पेशल प्रोजेक्ट्स दिनेश गोयल की जमानत याचिकाओं पर दिए। अदालत ने 27 मई को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य थे और पूरी प्रक्रिया में उनकी भूमिका रही है। निविदाओं के संबंध में गंभीर शिकायतें मिलने के बावजूद प्रक्रिया को जानबूझकर आगे बढ़ाया गया, जिससे प्रथम दृष्टया गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप प्रमाणित होते हैं। एसीबी की ओर से सात टेंडरों की जांच कर अदालत में करीब 16 हजार प्रष्ठों का आरोप पत्र पेश किया है, जबकि कुल 104 टेंडरों की जांच होनी है। ऐसे में जांच के इस चरण पर आरोपियों को जमानत देना न्यायोचित नहीं होगा।

वहीं, अदालत ने मामले के सह आरोपी तत्कालीन चीफ इंजीनियर अरुण श्रीवास्तव को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वास्थ्य के आधार पर सशर्त जमानत प्रदान की है। अदालत ने आदेश दिया है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा, साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा, अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपेगा तथा ट्रायल कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसकी आयु 58 वर्ष से अधिक है और वह लंबे समय से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है।

ईडी ने 145 करोड़ रु. के गबन में कोटक महिन्द्रा बैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया

पंचकुला की विशेष अदालत ने सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को 9 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा

■ **ईडी की जांच में सामने आया कि पुष्पेन्द्र दो अन्य के साथ मिल कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर नगर निगम के नाम के दो बैंक खाते खोले।**

नई दिल्ली, 01 जून । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों पर नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था।

ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा, रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

ओमान से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, ओमान इस मामले में अपवाद रहा। ओमान से भारत का आयात 246.4 प्रतिशत बढ़कर, 43 करोड़ डॉलर से लगभग 1.5 अरब डॉलर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण कच्चे तेल और यूरिया की खरीद में वृद्धि रही। वहीं, ओमान को भारत का निर्यात केवल 10.3 प्रतिशत ही घटा। उन्होंने कहा, "इस अनुभव से साबित होता है कि जब होर्मुज़ स्ट्रेट जोखिमपूर्ण या अत्यधिक व्यस्त हो जाता है, तब ओमान भारत के लिए व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक भरोसेमंद वैकल्पिक मार्ग बन सकता है।" हालांकि भारत के 80 प्रतिशत से अधिक निर्यात पहले से ही ओमान में औसतन 5 प्रतिशत के कम शुल्क पर प्रवेश पा रहे थे, लेकिन कुछ उत्पादों पर शुल्क 100 प्रतिशत तक पहुंच जाता था।श्रीवास्तव ने कहा, "इन शुल्कों के समाप्त होने से ओमान के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि ओमान की अपेक्षाकृत छोटी आबादी और सीमित बाजार के कारण निर्यात में वृद्धि की गति पर कुछ हद तक अंकुश लगना स्वाभाविक है। ओमान की आबादी लगभग 55 लाख है और उसका सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) लगभग 110 अरब डॉलर है।

सात नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानकों, समय-सीमा, यातायात अनुमानों, वित्तीय मॉडलों तथा संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

दिल्ली-आगरा हाई स्पीड रेल लाइन के संबंध में, मथुरा के लिए राया शहरी केन्द्र के निकट इटौली गांव के पास तथा आगरा में (एतमादपुर मदरा के निकट) स्टेशन की जगह तय कर ली गई है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया, "भूमि की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्टेशनों के आसपास एकीकृत टाउनशिप विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चर्चा जारी है।" बताया जाता है कि निगम ने 2021 की मूल डी.पी.आर. को अपडेट करने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें अपडेटेड सर्वेक्षण, लागत ओर अलाइनमैंट शामिल किए गए हैं।

पिछले कई दशकों में अनेक हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। वर्ष 2007-08 के रेल बजट में कुल 2548 किलोमीटर लंबाई वाली पांच हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

अगले वर्ष 991 किलोमीटर लंबा दिल्ली-पटना मार्ग भी इस सूची में शामिल किया गया था। वर्ष 2012-13 के रेल बजट में दिल्ली-जयपुर-अजमेर-जोधपुर मार्ग को जोड़ा गया, जबकि मुंबई-अहमदाबाद लाइन को 2013-14 में शामिल किया गया। हालांकि, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना को छोड़कर अन्य अधिकांश परियोजनाएं लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी भाजपा के राष्ट्रीय संगठक नियुक्त

भाजपा ने यह नया पद वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या व सुझाव सुनने के लिए बनाया है

■ **नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी अभी बिहार व झारखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे थे।**

नई दिल्ली, 01 जून । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एव केन्द्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केन्द्र दिल्ली होगा।

भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहल वे बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जिले के निवासी नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में की थी। नगर प्रचारक, जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद, उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भेज दिया गया था।

इसके बाद उनको उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश महामंत्री संगठन बनाया गया था।

अब भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। राज्यसभा में उसका एकमात्र प्रतिनिधित्व भी समाप्त होने की आशंका है, क्योंकि उसके सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी के पास केवल 12 विधायकों का समर्थन है, जबकि एक सीट जीतने के लिए 46 विधायकों का समर्थन आवश्यक है।

झारखंड में कांग्रेस की उम्मीदें सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर टिकी हैं। यहां दो सीटों के लिए चुनाव होना है, जिनमें एक सीट शिबू सोरेन के निधन के बाद रिक्त हुई है। कांग्रेस को उम्मीद है कि झामुमो इनमें से एक सीट उसके लिए छोड़ेगा। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी कर दी गई, जिसके साथ चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है।

इस चरण में 24 सीटों पर सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, जिनमें 11 सीटें भाजपा और तीन सीटें उसके सहयोगी दलों के पास हैं।

इसके अलावा, तीन सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। इनमें एक सीट पहले सुनेत्रा पवार के पास थी, जिन्होंने बारामती विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ओडिशा के सांसद देबाशीष सामंत्रे द्वारा बीजेडी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद रिक्त हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाएगा।

भाजपा जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिटा सुब्रमण्यम मोहन।

नीट पेपर लीक के तीन आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

■ **इस मामले में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं।**

नई दिल्ली, 01 जून । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 15 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीनों की सीबीआई हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी पुणे में फिजिक्स के टीचर तेजस हर्षदकुमार शाह और मनीषा संजय हवलदार को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान अर्जित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से गहरा दु:ख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारी सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान बनाया। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदना।

हरिद्वार में राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस पलटी, महिला की मौत

हरिद्वार, 01 जून। उत्तराखंड की धर्मनगरी हरिद्वार में कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने सोमवार सुबह राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस एक डंपर की टक्कर के बाद सड़क पर पलट गई। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजस्थान के नागौर जिले के श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान के बाद तीन बसों में सवार होकर अपने गृह जनपद लौट रहे थे। श्रद्धालु भूपतवाला स्थित घांची धर्मशाला में ठहरे हुए थे। बताया गया कि राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस सुबह करीब 7:15 बजे धर्मशाला से निकलकर सर्विस लेन के रास्ते हाईवे पर हरिद्वार की ओर मुड़ रही थी। इसी दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने श्रीराम पंजाबी ढाबे के पास देहरादून की ओर से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बस के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी।

'प्रक्रिया एक माध्यम है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समीर जैन की एकलपीठ ने आदेश दिया है कि, एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे।

उल्लेखनीय है कि अदालत के समक्ष तीनों डिस्कॉम की ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बार-बार आर्बिट्रेशन में अदालत का दखल देना सही नहीं है। कमर्शियल कोर्ट ने दो बार समयावधि गलत तरीके से बढ़ाई है, दूसरी बार आर्बिट्रेशन का एक्सटेंशन नियमों के विपरीत है, इसमें कोई उचित कारण भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि, एचसीएल की ओर से ही अधिवक्ता बार-बार समयावधि बढ़वाते हैं।

दूसरी ओर कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता शैलेश कपूर और लोकेश आत्रे ने अदालत को बताया कि, अभी तक आर्बिट्रेशन में 162 बार सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के वकीलों को स्पष्ट नहीं था कि उन्हें मामले में कैसे पैरवी करनी है, इसलिए वह बार-बार समय बढ़वाते थे। चूंकि यह मामला 47 जगहों पर 528 करोड़ रुपए के अलग-अलग अनुबंधों को पूर्ण करने का है, इसलिए इसका रिकॉर्ड 50-60 हजार दस्तावेजों व फाइलों, 22 गवाहों के बयानों और पूछताछ से संबंधित है। अगर यह मामला हाईकोर्ट में आता तो 47 अलग-अलग प्रकरण होते, जिनके अलग-अलग ही मुकदमे दायर होते।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा कि "भले ही कोविड के चलते पहला एक्सटेंशन (समयावधि बढ़ाना) जायज हो, लेकिन दूसरी बार आर्बिट्रेशन का समय बढ़ाते समय कमर्शियल कोर्ट ने कोई वाजिब कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा कि कमर्शियल कोर्ट को यह भी देखना चाहिए था कि, उनके द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश की भी ढंग से पालना नहीं हुई।

अदालत ने यह भी टिप्पणी कि आर्बिट्रेटर (मध्यस्थता कर रहे रिटायर्ड जज) प्रकरण की हर दिन अथवा सप्ताह में सुनवाई करते, लेकिन उन्होंने अपनी सुनवाई की तारीखों में 1 से 5 माह तक अंतराल रखा। आर्बिट्रेटर की लेटतीफी और ढुलमुल रवैये के कारण आर्बिट्रेशन का उद्देश्य ही समाप्त हो गया।" इसे देखते हुए अदालत ने आर्बिट्रेशन फीस के अतिरिक्त 10 प्रतिशत खर्च को घटाकर 5 फीसदी किया है। साथ ही कहा है कि बचे हुए पैसे दोनों पक्षों को अवार्ड पारित करने के बाद वापस लौटाए जाए।

टीएमसी महासचिव अभिषेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दस्तावेज़ पर किये गये हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। राज्य सीआईडी ने जब दो अन्य विधायकों से पूछताछ की तो उन्होंने भी अपने हस्ताक्षर होने से इनकार किया है।

शिकायत करने वाले दोनों विधायकों को बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के लगभग 30 नवनिर्वाचित विधायकों ने दक्षिण कोलकाता के विवांता होटल में पार्टी नेतृत्व की अवहेलना करते हुए एक बैठक की। अब पार्टी के विधायी दल की फूट पूरी तरह से सामने आ गई है, क्योंकि दो विधायकों ने सीधे विधानसभा अध्यक्ष के पास जाकर आरोप लगाया है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षर बनाए हैं। अब तक तीन विधायक कह चुके हैं कि उनके हस्ताक्षर जाली बनाए गए और उन्होंने उस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उनके बयान सीआईडी द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग में दर्ज किए जा चुके हैं। यदि जालसाजी का आरोप साबित हो जाता है, तो यह एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध होगा, जिसमें सात वर्ष तक की सजा हो सकती है। ममता बनर्जी ने हाल ही में चुने गए विधायकों की बैठक अपने घर पर बुलाई थी। लेकिन इस बैठक में केवल लगभग 20 विधायक ही पहुंचे, जबकि 50 से अधिक विधायक नहीं आए। इससे यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी के सदस्य धीरे-धीरे पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी की अवहेलना कर रहे हैं।

राज्य सीआईडी ने जालसाजी मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर सुबह की पूछताछ में शामिल होने से इनकार कर दिया। बाद में शाम को सीआईडी अधिकारी जांच आगे बढ़ाने के लिए उनके घर पहुंचे। अब कुछ कानूनी विशेषज्ञ सुझाव दे रहे हैं कि नई सरकार को यह भी जांच करनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्ताक्षर कितने प्रामाणिक और वास्तविक हैं।

ब्लूटूथ से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व तुलछाराम के भतीजे पोरव कालेर ने भी समान बिंदुओं पर अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन अदालत ने उसे भी अंतरिम जमानत नही दी थी।

जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा होगा, उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी: राहुल गांधी

पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि टिकट बाँटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी होगी

■ **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिन्तन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर/पुष्कर । कांग्रेस नेता एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को अजमेर के निकट पुष्कर में आयोजित नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी और स्वागत कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने की। बताया जा रहा है कि चिंतन शिविर में सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी आने का कार्यक्रम था, परंतु किसी कारण से उनका कार्यक्रम रद्द हो गया।

पुष्कर के निकट तिलोरा स्थित रिसॉर्ट में राजस्थान के 50 और दिल्ली के 15 जिलाध्यक्षों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने साफ कहा कि आगामी चुनावों में टिकट बांटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी अहम होगी। जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी।

उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की जोड़ी को "जय-वीरू" की जोड़ी जैसी बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जोड़ी लंबी चलेगी।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुष्कर में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के साथ ही सभी जिलाध्यक्षों की बात सुनी और उनके प्रश्नों का जवाब भी दिया। जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। ताइक्वांडो के सैशन में उन्होंने बॉक्सिंग का उदाहरण देते हुए भी जिलाध्यक्षों से कहा कि सभी को पॉलिटिक्स में भी डिफेंड करना बहुत जरूरी है।

चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिंतन शिविर आयोजित किए जा रहे है। राहुल गांधी की सोच है कि जिलाध्यक्षों को एक नए रूप में देखा जाए। आने वाले दिनों में पार्टी को कैसे और ज्यादा मजबूत किया जाए। किन राज्यों, क्षेत्रों में हम और मजबूत हो सकते हैं, नए लोगों को जोड़ा जाए, ऐसे तमाम मुद्दों पर आज चर्चा की गई। इस तरीके के शिविर से पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा मिलती है। शिविर में आज सार्थक और खुले दिल से चर्चा हुई है।

उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी द्वारा की गई तारीफ पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि "राहुल गांधी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण सांगठन सम्बन्धी ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600